

DH 288

30.8 x 9.2

7414

[illegible]

ऊन॥ वृत्तकाचविशुद्धिगनवत्तवत्ताऊन॥ कामादसुननवगर्भवत्ताऊन॥ शुवाद्रूपकन
 वगर्भवत्ताऊन॥ धर्मपुत्रनवगर्भवत्ताऊन॥ यथयमूखेयनेकगर्भवत्ताऊन॥ भगवदुसे१ सेनीप
 निरुक्तस्त्रिचषदि॥ अन्यकानिकीनलसुग
 नस्त्रिचषदि॥ नद्यर्थ॥ शुभूयनवकिन्नवत्ताऊन॥ त्रिचकिनीनीनावकिन्नलत्ताऊन॥ स्वानिमूखेनवकि
 न्नलत्ताऊन॥ पुद्गिनिविगनकिन्नलत्ताऊन॥ सगवृद्धनवकिन्नलत्ताऊन॥ यथावकिन्नलत्ताऊन॥

३

न॥ मनीनाचकीनलत्ताऊन॥ यथीदसुनवकिन्नलत्ताऊन॥ दधविर्यानवकिन्नलत्ताऊन॥ शुर्वा
 धननवकिन्नलत्ताऊन॥ सगमूखेनवकिन्नलत्ताऊन॥ दुर्मनवकिन्नलत्ताऊन॥ यथयमूपाचनव
 किन्नलत्ताऊन॥ किन्नलत्ताऊनसद
 सनीयविगनी॥ नद्यर्थ॥ निरुक्तमातापुत्रस॥ शुवाद्रूपकनामापुत्रस॥ शुवर्द्धमखेतानामापुत्रस॥
 विरुद्धिगनामापुत्रस॥ कर्द्धालानामापुत्रस॥ अमिनाविद्धनामापुत्रस॥ यनी॥ विरुद्धिगनामा

नामाय नमः ॥ मनीष ना माय नमः ॥ लक्ष्मणा माय नमः ॥ दयारि मखा नामाय नमः ॥ यैर्य
यैरि मखा नामाय नमः ॥ सति के लो नामाय नमः ॥ क के न नामाय नमः ॥ नीलाय लो नामाय न
य सा ॥ धर्मा रि मखा नामाय नमः ॥ सुकि ज नामाय नमः ॥ सुख नामाय नमः ॥ सुयूना नामाय नमः
सा ॥ के य ल ध ल ना ग क न्या ॥ स ल ता दू ना म ना ग क न्या ॥ व स नी ना म ना ग क न्या ॥ अ ना द ह ग ना ना
म ना ग क न्या ॥ सुख ध ना म ना ग क न्या ॥ विदू ना म ना ग क न्या ॥ पा दु स म घा ना म ना ग क न्या ॥ ल थ

4

8

रु ल ध ना म ना ग क न्या ॥ त्या ग ठ ना म ना ग क न्या ॥ अ रि ना य सि वा ल ना म ना ग क न्या ॥ अ वि ल
का ना म ना ग क न्या ॥ सा न रि ना म ना ग क न्या ॥ सु मखा ना म ना ग क न्या ॥ ध र्म पि थ ना म ना ग क
न्या ॥ सु ख क ल ना म ना ग क न्या ॥ स ग ल र्ग रि ल ना म ना ग क न्या ॥ म सु सी या ना म ना ग क न्या ॥ च र्य प
मू या न न का नी ॥ ना स क न्या ॥ ठ ग नी स न्निय मि ना नी ॥ अ न्य का नी र्ग ध र्व क न्या ॥ सु ना नी स नी य मि ना नी ॥
॥ म द थ ॥ पि य मखा नी म ना म र्ग ध र्व क न्या ॥ पि र्य द द ना म ठ ध र्व क न्या ॥ अ ना द स ना ना म र्ग ध र्व क

न्या॥ वरुसिया नामगंधर्वकन्या॥ वरु^{रु}माला नामगंधर्वकन्या॥ विरुषिठालं काला नामगंधर्वक
 न्या॥ अरुनमिठाना मगंधर्वकन्या॥ नवभुमिना मगंधर्वकन्या॥ सनयूया नामगंधर्वकन्या॥ अ
 कुलीना नामगंधर्वकन्या॥ लनमा नामगंधर्वकन्या॥ लुधिनयूया नामगंधर्वकन्या॥ मुकुकिना मगंधर्व
 कन्या॥ वारुसिया नामगंधर्वकन्या॥ ददरुना मगंधर्वकन्या॥ सुमाला नामगंधर्वकन्या॥ अरुनः
 मिना नामगंधर्वकन्या॥ धमकाशिनी नामगंधर्वकन्या॥ धमदंदा नामगंधर्वकन्या॥ अदमललमा

नामगंधर्वकन्या॥ सनकाला नामगंधर्वकन्या॥ यदमिया नामगंधर्वकन्या॥ यदमाला नामगंधर्वक
 न्या॥ यलिसारिका नामगंधर्वकन्या॥ यलामदमा मिनी नामगंधर्वकन्या॥ एथीविदंदा नाम
 मगंधर्वकन्या॥ रुतदंदा नामगंधर्वकन्या॥ सिंदमा मिनि नामगंधर्वकन्या॥ कूमदयूया नामगंधर्वक
 न्या॥ ममालमा नामगंधर्वकन्या॥ दानंदंदा नामगंधर्वकन्या॥ दयवचना नामगंधर्वकन्या॥ अमिपिया
 नामगंधर्वकन्या॥ निवा नापिया नामगंधर्वकन्या॥ लनाकला नामगंधर्वकन्या॥ रुदियसिया नामगंधर्व

धर्वकन्या ॥ अजायनिनिवासिनीनामगंधर्वकन्या ॥ मृगलाजिनिनामगंधर्वकन्या ॥ सुलकशियानाम
 गंधर्वकन्या ॥ कलकान्धियानामगंधर्वकन्या ॥ लागपलमका नामगंधर्वकन्या ॥ द्रव्यलीमका नामगंधर्व
 कन्या ॥ माहपलीमका नामगंधर्वकन्या ॥ सुजनयलीवागनामगंधर्वकन्या ॥ लत्रपिथनामगंधर्वकन्या ॥ अगम
 नमना नामगंधर्वकन्या ॥ अगनीयलनामगंधर्वकन्या ॥ चरुविन्दयलनामगंधर्वकन्या ॥ सूर्यसार
 नानामगंधर्वकन्या ॥ शुवलीयलनामगंधर्वकन्या ॥ सुजनयलिवाननामगंधर्वकन्या ॥ जनसियानाम

गंधर्वकन्या ॥ अतंयमुखनामगंधर्वकन्या ॥ गगनीसन्निपतिनीरुसिचषदि ॥ अचकानीकि
 नलकन्या ॥ सगनीसन्निपतिनी ॥ गद्यार्थ ॥ मनसानाचकिन्नलकन्या ॥ मानसिनामकिन्नलकन्या ॥ वायुवा
 गनामकिन्नलकन्या ॥ वलूनवगनामकिन्नलकन्या ॥ आकाशपुतानाक्षमकिन्नलकन्या ॥ लक्ष्मीदंयनी
 मकिन्नलकन्या ॥ मानसिनामकिन्नलकन्या ॥ सुदयानामकिन्नलकन्या ॥ अचलशिया नामकिन्नलकन्या ॥
 अहुरियायानामकिन्नलकन्या ॥ कलनयगानामकिन्नलकन्या ॥ सुसियानामकिन्नलकन्या ॥ अचलकल

नामकिनलकत्रकया॥वक्राष्टयानामकिनलकया॥गमयूधनामकिनलकया॥थागगगानामकिनलकया॥
 विरुखिगलंका नामाकीनलकया॥मनादली नामकिनलकया॥उर्यपमूखानांनिकानिकिन्नलकया॥गगनीमनी
 पनानी॥अन्यकनीनूपाअकाउपासिकासगनीमनीपनानी॥अन्यकाथवकपलियाजकाकानीगनगगनी॥सनी
 यकिगनी॥र्यदामरुअत्रियागारुनमदाअविरोमिनलकनसयानिगलकिनीअसिखाअववनमहाविहालंगरु
 निरु॥सर्वनविहालापलीअरीना॥उर्वदस्यन॥दियमभिलनपरीफासापरीअरिनाउर्वदस्यन॥कृगागलाधु

वरुपयिगानीदध्यकस॥लयनलयनशुवर्कमयानीद्वालानिदध्यकस॥लयनलसुवर्कमयानीलुवाम
 यानीसापालानीदध्यकस॥शुवर्कलुयामयानीयासादानीलुयामयानी
 यानानिदध्यकस॥शुवर्कलुयामयानीयासादानीलुयामयानी
 शुवर्कलुयामयानीयासादानीलुयामयानीयासादानी
 मयानीयासादानीलुयामयानीरुसुनिदिशतडापलारिगानी॥वदिअनवनस्यनानाविधानीकयवक्रानीदध्य

॥ शुभ के वरुण द... नित्य य म जानि नाना विध री का संय विना भ म चित लय ल विना नी का सि क व रु
 प ल विना नी ॥ म का दाल ग न स द स मय ल स न नी ॥ भाली दू हु सं मु ग्ध म के य ल नू प ल स न स द स मय
 ला वि म्पी नानी ॥ क र्क प य रू या वि स कानि व स क य ॥ हु कानी न स्त्रिय ल मि नानी ॥ गोट भानी क स द नानि
 स नानी पा द दू नानी ॥ म सी नू व रू न व न वि दाल व रू म ॥ यानी स्य सा यानी नी द भ न स ॥ दाल का द व म क वः
 द क स य पु स नानी ॥ अ न का नी प व की सी नि पा द नानी ॥ क वि द स ज्ञा य न वाली ना म लि प रू ॥ क वि नाना वि ध

५

पू र व प री य रू नी ॥ न दू था ॥ उ ल य न प द न मू द य ल म हु लो क मा न स म द मा न्या ल व ड द म ल मू य पाल य रू नी ॥
 नू न य रू न वि दौ ध नी का दू य रू यानी उत्प द क ॥ न धा व र म क क ल ॥ वि स पा ट ल मि म की कानी म ध व
 वि क स म न सानी ॥ न गानि म ना स मानि का दू प रू ॥ नि यो दू द नानि नी ॥ स ट सि नू रू न व न वि र य ली शारि
 मा न्ये व द ग्ध न ॥ अ प म मि न य म धा ॥ स रू नि व ल ॥ न वी क सि ना म धा वि स ल उ ल य स नो द कां स म रू
 ला स दू द ला ॥ द श म न व नू म ल सं य धि रू यो नि ष य ॥ य न रू ग वा रू नो रू लि प रू म रू ग व न म रू द यो रू ॥ प ल म ध

यो द्रुग्या फो २ रुगवर्गकालस्य अगच्छ किमकस्य विषययुगव ४ रुगवानाद ॥ ७ वं कस्य नृवर्गमहा
 नसक अयोवलाकि ६ ४ लावाधिसलमहासला ४ यः
 यविमनि ॥ अथमर्षनीवलनविक्लीरुगव नभसदया
 कथमृगवचनलाकि ६ लावाधिसलमहासला ४
 यामया र म्याय कली नामक कालिरुगसूतक कल ६ कवलमद्व ४ यः १ गलिमहा नसक अकादनादू मीनि ४

१०

१०

मि ॥ गलि नृवर्गकालस्य अगच्छ किमकस्य विषययुगव ४ रुगवानाद ॥ ७ वं कस्य नृवर्गमहा
 माखावाड ६ कल ४ विद्यो नमय ४ अथागच्छ
 यिकद्व ४ यमनरवनि ॥ कथमृगवचन अविशोमहान
 रुगवानाद ॥ यथा कस्य लपय लाजपक वरुदि यमनित
 लावाधिसलमहासला ४ अविशोमहा नसक यविमनि ॥ नवकस्य काय नृवाधालवर्गवनि ॥ यदा विविमहा नसक समिपम

परं कामनीठदाहि नृविमिहानसक भानि रावमप गच्छ निगदा न र्यमया लय लूषा ॥ स भगमापय नाकि नृविशेन
 लनरक गुरुनीमीरुया दुरुन ॥ यदावलाकि नृ
 कपमा लनाग वीप द्वा निपाद रूना नी ॥ सवाक
 दुरुन ॥ अथ न र्यमया लय लूषा ॥ अस्मिन्मूलरि
 यनर्यमा ला कान ॥ आपर्स का काउपसका म नदा वाच नृ ॥ यत्न स दवज्ञानी या नृ सवा स्मा के कर्म रमि ४ प लीक्षि

ला वाधि सख मदास नृ लक्ष्य विमनि ॥ नदा न कट व
 सि विरू निवा ॥ नस्मिन् नृ वाधि सवा यां पूर्य लीनीया
 नोपाल नाम स गदा व कनि ॥ शुला द थाप दृ ग ॥

११

११

भाकि का ल वं मा के कर्म रमि ४ प लीक्ष नार्य स्व स्व स दव जानी या नृ पुथ म नस्मिन् नृ विशेन लनरक नृ गुरुनीमि
 रि पद रू न गानि राव मप मन गन काम स विपूल
 लाइ दास्य वि ४ रु दा म काठ व कपु मा ला नी
 सवा वि विष दा पी कलि ली पा द रु नि ॥ अथ य
 अथ समदा मरु मल ल ना लाय न स दव पूर्य स्व स दा ४ रु रमि म नृ या फा ४ ॥ अथ ला कान लाम न मदा वर

य वि ४ रु नाम कट व वा दि यां ल काल रू वि न म ली
 पु द्वा नी पा द रु ग नी सा र्वे व क्को वि रू रमि ना ॥
 मा धर्म ला जा वि न मा प य क स दव स्य रं प री व

५१
५२

नवउत्तनामासायनयुगिसाद्विनमसठदियनचक्रकार्तवसायनचदवनि कायनपुष्पमिस ॐ हसमलम॥
अथमयेनसव अविशोमदानलक योवलाकर
असावाधिसत्तमचमवपयमि॥ अथमयभाला
यसंक्रान्तउपसकस्यरुगवट४पादो४रससिक्क
साय॥ मरु४यसाय॥ अथियय॥ अथदाय॥ अथसंकसाय॥ अथविललाचनाय॥ अथमनकसाय॥ अथनसदसुस

मिवावलाकनसिन्नविद्योमदनलक अथलाकिम
अथनावलाकिम ४ लावाधिसत्तमदोसत्तमनो
नासावदिसासंकुमालका॥ ४ नमस्तुवलाकिमि

१२

जाय॥ काटिसगसदुमुनेजाय॥ लकादमभीववदवामुखपर्यन्ताय॥ धर्मपियाय॥ प्रियन्ददाय॥ अतः
गियाय॥ उरुमाय॥ अविशोमदानलक योवलाकर
जिननरुसुनाय॥ अथरुयन्ददाय॥ अथाल
मद्विचर्कसाय॥ कामसुपाय॥ सुसुपाय॥ अथ
कूकीर्गारिलधर्मय॥ यलमाथागमनूपाकाय॥ समुखसुन्दसनकसाय॥ अथनकसमाधिसगसदु

अथनलकि अतःदनाय॥ अथनपियाय॥ मरुदिवप
मीनानीदमनकसाय॥ अथविललाचनाय॥ अथ
विलपाय॥ कांथेनववनसुमालाधाय॥ अथगन

किं रूपं ॥ अरि स निकलाय ॥ वीरू लीन गाय ॥ मली विम्वंग स कलाय ॥ रुति नी गउरु य न रुमा
 र्गय लीमा रुत कलाय ॥ सर्वा र्गव से यु कलाय ॥ वरु व प मी ली वा र्ग से यु कलाय ॥ उय विन कलाय ॥ विना
 म ली ल लाय ॥ नी वान मा न्न पिद ग न कलाय ॥ प म प न ग ल स म र्ग स व कलाय ॥ उरु र न रुग ॥ १३
 कलाय ॥ या धिय ली भा व न कलाय ॥ न द्या य व
 सद स न कला ॥ अ न्य क म नु ना व कि र्क या व रु पा नी वि द्या प व कलाय ॥ वि ला क रु य कलाय ॥ र्ग कला रु

१३

१३

र स र न यु म व ना उ अ कि नि कू म्म क्का य स्मा ल स ग्रा स क ला य ॥ नि ला ल ल न्य ग्रा व य ॥ गोरि ल पि ना य ॥ वि वि
 द्या धिय न य स र्व न भा वि मा रु न क ला य ॥ वि वि ध वा धि मा र्ग प वि ना य ॥ स मा ल्ध मा रु न मा र्ग य व ला य ॥ क्क स
 य कि र्क वा धि मा र्ग य चि ना य ॥ य न य ली भा रु न क ला य ॥ प म्म जा प म स मा धि स न स रु मु कि र्क या ॥ न वं म र्ग मा
 ला रु वि स व न लं क्का ना व धा नं रु त्वा य न ल पि र्ग मा ला जा नि व य द कि नि रु ल्क न र्ग व य क न थ ॥ अ थ स र्व नी व ल
 ने वी क्क रु र ग व रु म न द वा च रु ॥ र ग वा ना ग रु नि ॥ ॥ अ व ला कि न व्वा वा धि स ल मा रु स ला ॥ र ग वा न

78

समस्त लिख्याद गवतल नी नीकुर्माने ॥ दश श्याद्यादा जलीत्याद गवतल नि नीपा नां सत्ता नाव द्य लय मृधर्म दस
यमि ॥ ॐ बुधेन या नां सत्ता ना वृद्ध लय न धर्म दस यमि ॥ अदित्य वे न या ना सत्ता ना धर्म दस यमि ॥ वरुण वे न या ना
सत्ता ना वरुण लय वधुर्म दस यमि ॥ अग्नि वे न या ना
सत्ता ना मरु लय वधुर्म दस यमि ॥ वायु वे न या
सत्ता ना नाग लय न धर्म दस यमि ॥ अविष्ट वे न या ना सत्ता ना अविष्ट लय वधुर्म दस यमि ॥ रक्ष वे न या ना सत्ता ना यक्ष लय

न धर्मदसयनि॥वेधमधवेनयानांमलानांवेधवनरूपधर्मदसयनि॥लायावेनयानासत्तानांलाजालयानध	
र्मदसयनि॥वेधवेनयानांमलानांवेधलयानध	र्मदसयनि॥नाजरुदवेनयानगेशामखेनामतनीक
यूणीरुलुदामा शुभंविपक्षिननथांनस्यसकासा	न॥अवलाकिनभस्यगुमहाद्रावनाशुना॥अथस
वनीवसधविक्रमीवाधिसत्तारुगवेनमनदवावप	॥किदृगमायागुहाद्रावना॥अवलाकिनभस्यवा
धिसत्तमकसत्तस्यधुना॥रुगवानदावक्रुश्यावद्यादिस्यउचनीललानास्यामद्वधृकचवत्यावद्व्याद्वदय	

नालायन द्वास्यामसमनिमखाभावायावा ज्ञानाधलनीया स्यांवसुना ल्पदलाट्॥यदात्रनेदवाज्ञाना॥
अवलाकिने धलस्यकाय न दामद्वदवपूगस्यनदाध्विन्॥रुविश्वसिर्लमद्वधलकलीयुग्यनियन्यकसस
लेधाउरुत्यन्त्र आदिदवास्यायन॥गर्वलकलीलटदाने सुत्तावाधिमाला नयियुहिनारुविश्वनि॥द्वद
थगुनेवसत्तैरुसाकथांक्वचिन्नि॥आकाससीगमिस्याद्रुधिविधिनस्यापिथीका॥अत्यसर्वरुनानीलील
यनालीगमूचने॥द्वदसमायाकूलयूनविपक्षिनसुथागनस्यसकाठान्॥अथवलाकिने धलस्यवाधिमलेस्य

95

कृत्वा नृणां सत्त्वस्य सखायस्यासाधनायुपयनाश्रयादिना मूर्खावाधिसत्त्वाउपयनायदास्यसत्त्वधा
 त्वपत्तीभावयित्वायुनर्तयिनीमणि॥ श्रुत्वा॥ रग
 मसदसानीदीपनीयालीयाविगानी॥ दिव्यादित्यकूलः
 ध्वलस्यवाधिसत्त्वस्यमहासत्त्वस्यकनकासमन॥ रग
 धात्रीनी॥ दन्तमार्कपूजासाकड्यादिविद्यावल्लभसम्पन्नः॥ सुगनीसाकदन्तरुल॥ यत्तुमदम्यसासधि॥ सासाद॥

कृमातस्या ००८ मनिमीरुमरिबदसिगं ॥ पदार्थावलाकिन ००८ लावाधिसल्लमदासल्ल आगच्छुनि ॥ नदाविवी धानी ॥
 कस्यचिद्विज्ञानीविरुतलि ॥ वृगदृशनीविरुतनि ॥ १८
 अरिनयनि ॥ अनिपूषायकि ॥ अयूचिलि ॥ अष्टाया
 कन्यादृशनी ॥ तत्त्वमयाम्कावजवदर्यं ००८ खगिराय
 टिटसिनेवविहातसमिषासफल ॥ त्रामिपाद्रुगानी ॥ नद्यर्थ ॥ चक्रतलेदुल्लिखलं ००८ अथनलं मनीरल्ल

॥ सुसत्तुद्रुपनिलत यलिनायकलत्तं ॥ अर्वसकमपाद्रुग ॥ रुमिहाव ॥ अनरासंसद ००८ क ॥ पदार्थावलाकिन ००८
 लावाधिसल्लमदासल्ल ००८ गुमावनीसाक ॥ अरुतिफाक ॥ रुदा ॥ पथिविषनि ॥ कालयकमिना ॥ वलीनयचलीनं ००८ दिने
 पयंदिने ००८ लिनेय ००८ लीने ॥ अथलत्तपाविद्योधिसल्लमादासल्ल ॥ रुग ००८ नमदवा ००८ रु ॥ कस्यनिमीरुनी ००८ रुग
 व ००८ रुगवाना ॥ अथरुतपूषावलाकिन ००८ लावाधिसल्लमदासल्ल ००८ रुग ००८ नमदवा ००८ रु ॥ कस्यनिमीरुनी ००८ रुग
 रु ॥ नद्यर्थ ॥ चक्रतलेदुल्लिखलं ००८ अथनलं मनीरल्ल ॥ नदाविवी धानी ॥

ला वाधिस त्वमहासत्त्व ॥ सरुसय द्वा निष्ठुव र्धद क्षिति निरु मानी गृहि त्वा यन रु गवा नरु नाप सं कु न्द्रा सं क
 स्य र्वं न ४ पा दा सित सं रि वं द्य प द्वा न्य य ना म य नि र्म ॥ ४० मानि र्म अ मि ना र्म न् म था ग र्म न पु नि दि ना न ॥ य द्वा स्य त्वा न क
 ना र्म ल प्थ न ना र्म ४० य स्य वि द्वा ल ना र्म ॥ ग ना प द्वा नि गृ ह्वा म्भ न प ४० न स्य पि ना नी ॥ ग दा व सा कि र्म न् म्भ ला स्य वा धि
 सत्त्व स्य म हा स गी स्य ४० गु ना र्म व ना क र्म ॥ कि र्म नी त्वा य न्त्र व सा कि र्म न् म्भ स क र्म र्म मि नि षा दि दि ना ॥ स गी पु र्म अ वि १५
 शो प य म्भ व्का र्म गु ला त्वा प य न्त्र व सत्त्व व्हा र्म न प न्त्र म हा न स क र्म गी य ना म हा न स क र्म म्भ म हा न स क ॥

सत्त्व स मा हा न स क ॥ सि ना द के म हा न स क ॥ नु न व्मा हा न स क ॥ य सत्त्व उ प न्ना क र्म य क र्म र्म मि सत्त्व प लि पा क
 म क र्म ४॥ द्वा त्वा न्त्र ला यार्म म्भ व्का र्म ४॥ य दि स्य प रि न न्ना ॥ अ था व सा कि र्म न् म्भ ला वा धि सत्त्व म हा सत्त्व ४०
 य क र्म हा सत्त्व र्म ग र्म न ४ पा दा सित सा रि व द्वा ॥ उ का र्म पु का र्म ४ पु का र्म मि त्वा क र्म मि वा धि पि न्त्रा का र्म स्य न
 दि न ४॥ अ थ सत्त्व पा नी वा धि सत्त्व म हा सत्त्व र्म ग र्म न्त्र म्भ न द वा र्म उ प द्वा म्भ द र्म ग वा न्त्र पु म्भ व्का र्म न्त्र न्त्र
 ॥ की य स म व ली कि र्म न्त्र स्य वा धि सत्त्व स्य म हा सत्त्व स्य पु न्त्र स र्म लं र्म न वा न द ॥ मं गान सि ता र्म पु ना र्म

धामनामद्वयं ॥ सम्यक् दृष्ट्वा ॥ दिव्य कला विव सवि ॥ पुनः प्रान्तस्य नासन ग्रान्तपुत्रस्य रेख्यपतिरुक्तं सत्यसि
गावति ॥ यत्रैव प्रान्तधामनामयुगं सत्यं सवति ॥ नृवत्साकिं नृवत्सायाधिसत्त्वस्य माहासनीस्य ॥ कवाग
लपुत्रं सत्यं ॥ नद्यथापि नाम कूलपुत्रं दाद समासिकं न सवत्सत्वं न वदु माहादिय के रत्ना गोदिवो वयनि ॥ स
कृमकमक विन्दुमव नयिदु ननु कूलपुत्रावत्साकिं नृवत्सायाधिसत्त्वस्य माहासत्त्वस्य गमस्य सत्यस्य यन्मया
लगा नयिदु ॥ नद्यथापि नाम कूलपुत्रं माहासत्त्वस्य वदु सिति थाऊन सद्मां नागारि यै ह्यपमया यो पूर्य वनद

२०

२०

नयामुख्यं न कूलपुत्रं माहासत्त्वस्य कृमकमविदु गलियिदु ॥ ननु कूलपुत्रावत्साकिं नृवत्सायाधिसत्त्वस्य माहासत्त्वस्य	यिनाम कूलपुत्रं वदु माहादिय के रत्ना गोदिवो वयनि ॥ स
गदु न नयु नृवत्साकिं नृवत्सायाधिसत्त्वस्य माहासत्त्वस्य गमस्य सत्यस्य यन्मया	रुक्ति ना नृवत्सायाधिसत्त्वस्य माहासत्त्वस्य गमस्य सत्यस्य यन्मया
लीनल कूलपुत्रं माहादिय के रत्ना गोदिवो वयनि ॥ स	किं नृवत्सायाधिसत्त्वस्य माहासत्त्वस्य गमस्य सत्यस्य यन्मया
गदु यक कूलपुत्रं माहादिय के रत्ना गोदिवो वयनि ॥ स	किं नृवत्सायाधिसत्त्वस्य माहासत्त्वस्य गमस्य सत्यस्य यन्मया
यिदु ॥ नद्यथापि नाम कूलपुत्रं माहादिय के रत्ना गोदिवो वयनि ॥ स	किं नृवत्सायाधिसत्त्वस्य माहासत्त्वस्य गमस्य सत्यस्य यन्मया

का लायि लाचकदिन ध्या लाव लापनं कृया न ॥ न स्य सक्रमाया कूलपूज ध्या स्तु च न गनयि रं ॥ न त्व व लाकि स्य ध्वल स्य
 वाधिस त्वस्य म दास त्वस्य कृने पृथ स राल गनयि ॥ न द्य धा पिनाम कूलपूज सं कृने मया सिव व न स्य पु क
 म कय गाना गन सि तु न त्व क ला कि ने ध्वल स्य वा ॥ न द्य धा पिनाम कूलपूज य पु म दा द्यो य मी पू ल स
 दले जना गमी दले नृ द र्पि त्व क वा धा नि या ज य र्य र्य न म या म् ध्या स्तु च न गनयि रं ध्वल स्य वा धिस त्वस्य म दास त्व

२१

स्य पूर्व व न् ॥ वा ला उ पृथ च ॥ अथ ल ह यानी वा धिस त्व म दास त्व र ग वा क मी ब ट द वा च न् नि मार ग व क क दा वि दि
 द म म वि रं न था ग ना ना पू धा क ध द द धा पा रा
 म दास त्व र ग वा न द ॥ र्य क र पू म न स सा क था ना
 धा र य न डि वा क ला यि व स पि कृ या र स य ना स
 ग ना र्थ नृ ल द न ४ न म क क द वा ला कि ने ध्वल स्य वा धिस त्वस्य म दास त्वस्य न स क दि न ध्या ला व ला प नं कृ या न् ॥ न स

म कर्मया कलपूय ल्पुव गनयिउ ॥ न खव साकि ह ॥ ला स्या वाधिस त्वा मादा स त्वा स म कर्मय त्वा स म गनयिउ ॥
 न खव साकि न खल स्या वाधिस त्वा म दा स त्वा स म कर्मय त्वा स म गनयिउ ॥ न खव सा
 सिधम न स्या ॥ उ क म क य गानी गनयिउ ॥ न खव सा
 यिउ ॥ न रु स क र्म ॥ न द्वा धा पिना म क ल पू य व
 रु स रु द्वा ग म सि रु ले न्ना म सि रु ल ॥ न रु ले य ल क वा धि नि या रु य र्म य रु न वा य ल्पु व ल्पु व म व सा कि न ॥ न ख वा धि

२२

२२

स त्वा स मा दा स त्वा स य पूर्व व ॥ वा ला य ल्पु व ॥ न ख ल त्वा नी वा धि स त्वा म दा स त्वा रु ग व न म ठ द वा च क् ॥ न मा
 रु ग व क वा वि दि द्द स म वि स म थ ग ना
 न व सा कि न ॥ न ख ल स्या म दा स त्वा स ॥ रु ग वा
 यूर्म ॥ न व क रु न धा ल य न दि वा क ल्पु वि
 व ग म ग ना क रु व र्म ॥ य ल्पु व ल्पु व ग न यिउ ॥ या ला व क ल्पु व रु म का कि न्नि न ला क धा ना वि रु ना सि ॥ न रु वि

गालोके रवीनिय भूवलाकि न गलस्य वाधिसत्त्वमामरुसत्त्वमनाममनस्मलनिगनकुलामनवाधिरुषयलिमूका
 रुवनिनेसकाया लुलपजा भूवलाउदंसायु मावायुवे भेः व गच्छन्तो सुखावगिनाकभर्तुं नमिगारुहान
 था गनस्य सुका समरवधे म्भुवलाय ॥ सत्त्वा वससा लीकंद ४ रव म्भवा कथयनवाधन ॥ नवला गच्छवभाहनऊ
 लामलननव ह्यवा कृषाद ४ रव कायनवाधन नम ॥ नवने गला वासद ४ रव मनूजाननि ॥ नमिनेवपद्वयय म्भ
 धमी लस्यनयेयमाना ४ सटगपलो गुरुं यव ह्यपिना सावदसि लोकधामा निश्चिर्गवदव लाकि न गलस्य वाधिसत्त्वमाम

२३

२२

दासत्त्वमदरुपनिश्चयलियूलीगासर्वसत्त्वामाकृष्यनिश्चयिगवा ॥ अथ ललपानी वाधिसत्त्वामरुसत्त्वा रुगवे गम्यन
 दवाचन ॥ केनमका सरुगवमदरुपनिश्चयलीपुपलयनि ॥ रुगवानद ॥ वरुव ४ सत्त्वो कल सत्त्व संसा लस नुलनि
 टा न सत्त्वो लियुलीभावयनि ॥ वाधिसा ग्ययदसयनि ॥ येन येन लयानवेन यानां सत्त्वानां यय कवृद्ध ने न यानां सत्त्वा
 य ॥ यय कवृद्ध लयान धर्मदसयनि ॥ अहं देनयानां मरुडय धर्मदसयनि ॥ वाधिसत्त्वो वेन यानां सत्त्वानां ॥ वाधिसत्त्वो
 लयान धर्मदसयनि ॥ मरुडय लयेन यानां सत्त्वानां मरुडय लयान धर्मदसयनि ॥ नाराय नवेन यानां सत्त्वानां नाराय

लपन धर्मदसयलि ॥ वक्रवेनयानां सत्त्वानां बुद्धनपन धर्मदसयलि ॥ २६ लपन धर्मदसयलि ॥ आदित्य
 वेनयानां सत्त्वानां धर्मदसयलि ॥ वक्रवेनयानां सत्त्वानां बुद्धनपन धर्मदसयलि ॥ अग्नीवेनयानां सत्त्वानां बुद्ध
 लपनदसयलि ॥ वक्रवेनयानां सत्त्वानां बुद्धनपन धर्मदसयलि ॥ वायुवेनयानां सत्त्वानां वायुलपन धर्मदसय
 लि ॥ नागवेनयानां सत्त्वानां नागलपन धर्मदसयलि ॥ अविष्टवेनयानां सत्त्वानां अविष्टलपन धर्मदसयलि
 कुरुवेनयानां यकूलपन धर्मदसयलि ॥ वैश्वमनवेनयानां सत्त्वानां वैश्वमनलपन धर्मदसयलि ॥ सार्थवेनय

२६

२६

यानां सत्त्वानां लाङ्गलपन धर्मदसयलि ॥ वेद्यवेनयानां सत्त्वानां वेद्यलपन धर्मदसयलि ॥ माङ्गलवेनयानां
 लाङ्गलपन धर्मदसयलि ॥ माङ्गलवेनयानां सत्त्वानां माङ्गललपन धर्मदसयलि ॥ यथाकार्यथा
 वेनयानां सत्त्वानां मथाठलपन धर्मदसयलि ॥ उर्व
 मत्वापलीवयलि ॥ नवानरुमिमयदसयलि ॥ अथलल
 यमर्मावर्पाङ्गनयापकाङ्गुरुगवनमनदात्रिदीन सत्त्वानां विषयदसयलि ॥ अथलल
 नां माङ्गललपन धर्मदसयलि ॥ यथाकार्यथा
 कृतपूजावसाकिर्गवसावोपिसत्त्वमहासत्त्वा ४
 पानीवापिसत्त्वमाहासत्त्वा रुगवनमनदात्रिदीन सत्त्वानां विषयदसयलि ॥ अथलल

धिसत्त्वस्य मादासत्त्वस्य गच्छेत्तथा गतानां नमस्तिदुःखं ॥ ॥ रमयानह ॥ ॥ अस्मिन्कलपयुः अस्मिन्वज्रद्विधेयवज्रककि
 नाम गुरुदामनका ना अस्मत्सत्काटिनीयुगमेह
 धिसत्त्वस्य मादासत्त्वस्य ॥ अस्मत्सत्काटिनीयुगमेह
 सत्त्वस्य मादासत्त्वस्य ॥ अस्मत्सत्काटिनीयुगमेह
 यदा अस्मत्सत्काटिनीयुगमेह ॥ अस्मत्सत्काटिनीयुगमेह

२५

२५

लाङ्गमरिमुखि कूर्वन्ति ॥ ॥ अस्मत्सत्काटिनीयुगमेह
 अस्मत्सत्काटिनीयुगमेह ॥ अस्मत्सत्काटिनीयुगमेह
 वनिगमनाय ॥ अस्मत्सत्काटिनीयुगमेह
 इतिमभवत्सत्त्वस्य ॥ अस्मत्सत्काटिनीयुगमेह
 नीकिरुमियदस्य ॥ अस्मत्सत्काटिनीयुगमेह

रिचय्यनमवयुका न रुदयामिदम्यवि चरुनामनममनो रदुसम्य कयदोलाकाडयदि विद्यावतससस्य च ४ सुग
 गोला काविद नुरुल ४ पूलखदम्यसा सचि ४ सासादवाती वमनूया ला के वद्वारु गवान नमन कासन नमन मये नारु सर्व
 निवस ववि कली ज्ञानिपादिना मयि ररवन गीति गदु लारु सकव नमन वासि नमनया वर सचि विप दया ॥ गदा का
 नूका रवमया नमन मय गका भगू ॥ गुल्ल वना ना रव लोकि नमन स्य वाधिस सस्य मदास सस्य मरना ॥ यदन का के
 धमन यी रम्या गला नमन स्य ना सत्याना धमन सया नि ॥ आर्या सादिक मदीदि का पूलखयं गला नीरवलि ॥ गवा वला

२६

किम गवा ला वाधिस सस्य मदास सस्य धमन सया नि ॥ गदु नुरुवली श्रि मरव धर्मयया रं पवला सस्य नमनी वानी कस
 वलमन विरिन यदु ॥ अथ नपूलखा नवला किम
 म ॥ आ गवा सया नि ॥ अचरु ना नी सत्या नी मादु म
 रनो रव ४ पुन मदा ना दिप रनी रव ४ सव नक
 मम नमरानि ॥ २६ स ४ रव याद सवयं य रव वाम ॥ अथ नमो सत्यानी को ल ॥ २६ रव नम मदाया नम गला लो ज क

कृपयनी भलयनि ॥ नदपि नयलसा नरत्वा च वैवलिकरु मिनीयादिना ॥ यलमर्मरानसं ॥ अथर्याव साकि नम
 लवाधिसत्त्वामाहासत्त्वानि कृम्या चरम्याय विमनि ॥ अथामर्याय सलाजावलीलेतसु सखावद्व ४ सगर्हवसका
 सादृषसंकातं उपसंकुम्या ॥ अथवलीलसुलेखादुलनं च वावसाकि नम्यलोवाधिसत्त्वामेहासत्त्वोदसमगवागद्व २७
 नदद्ववसा न ४ पूलपलीवाल साधर्मन कानसुससगनीकृज वामनादिरि ४ सपलीवाल गत्वा वसाकि नम्यलस
 वाधिसत्त्वामाहासत्त्वानि कृम्या चरम्याय विमनि ॥ अथमसदुलं जर्म अदम्ययुनमनीलथं ॥ अ

दम अर्मापलीयलपर्या ॥ लयाससगुसननद्वरु दामसर्वकामशरवा नीसुंरुमनी ॥ अथर्याव साकि नम
 लवाधिसत्त्वामाहासत्त्वानि कृम्या चरम्याय विमनि ॥ अथमसदुलं जर्म अदम्ययुनमनीलथं ॥ अ
 मन्यपुसका नोपुंक्षदिखा नोक्षका नाना ॥ यनपुंक्षदि
 सानासंसारद्व ४ खा नानां वा नारुव ॥ अनाथानां मत्तानां
 मयदस्य ॥ अथामाहा ॥ नदथापि नाम कृलपूरयन था गगत्वा रुमसस्य कृपद्वस्य पिदया नमन्युद्वयनि ॥

नैवा मिदं यत्कुरुते यथा मि॥ दद्यात्तापि नाम कुरुते दद्यात्तु नानादि वलुकाय मामसृष्टा वाधिसंज्ञा मासृष्ट
 त्वा रवयुक्तं च॥ न कुरुते न च तथ॥ दद्यात्कुरुते मासृष्ट
 ॥ पाठ्या वादुमका कि॥ न सृष्टं रवयुक्तं विदितं मि॥ दद्यात्
 मानमर्गं दिष्टं न सृष्टं मया कुरुते पूर्य पिदयान स्य पूर्य
 मृदय स कुरुते क विदु गन धरिष्टं॥ न दद्यात्तापि नाम कुरुते पूर्य सृष्टं मया पिदयान स्य पूर्य कुरुते धरिष्टं॥ न

मर्गं दिष्टं॥ सर्वसंज्ञा पञ्च न सृष्टं पूर्य कुरुते गनयुक्तं
 तापि नाम कुरुते पूर्य सृष्टं मया पसमानं तुरु स्य
 कुरुते गनयुक्तं॥ दद्यात्तापि नाम कुरुते पूर्य मासृष्ट
 मर्गं दिष्टं॥ न दद्यात्तापि नाम कुरुते पूर्य सृष्टं मया पिदयान स्य पूर्य कुरुते धरिष्टं॥ न

२८

२९

दद्यात्तापि नाम कुरुते पूर्य मासृष्टादि पञ्चोपलब्ध दाल कदासी कासृष्ट सर्वसंज्ञा पञ्च न सृष्टं पूर्य कुरुते धरिष्टं॥ न दद्यात्तापि
 दिष्टं मासृष्टादि पञ्चोपलब्ध दाल कदासी कासृष्ट सर्वसंज्ञा पञ्च न सृष्टं पूर्य कुरुते धरिष्टं॥ न दद्यात्तापि
 पञ्चोपलब्ध दाल कदासी कासृष्ट सर्वसंज्ञा पञ्च न सृष्टं पूर्य कुरुते धरिष्टं॥ न दद्यात्तापि
 गदरे ४ सर्वगल दयित्वा न सिद्धं मरु ख स सासि कुरुते
 दयित्वा सृष्टं कुरुते पूर्य न कुरुते रल गनयुक्तं न सृष्टं कुरुते पूर्य सृष्टं मया पिदयान स्य पूर्य कुरुते धरिष्टं॥ न दद्यात्तापि

सन काल नाग लाङ्ग नाव स धाता मरु पय कि॥ न दद्यात्तापि
 पञ्चोपलब्ध दाल कदासी कासृष्ट सर्वसंज्ञा पञ्च न सृष्टं पूर्य कुरुते धरिष्टं॥ न दद्यात्तापि
 ग॥ मरुति गर्दरादि रि ४ म दयित्वा मरुत न तासि न्नी य

नामक सपूत शुभसुखवट साजाजन सुखसा नित्र धस्त दूय गग ॥ उदन वहु लसिनि विठन सहसा नी उडुयन व
 कुलपूत रुज सा विरव ॥ मरुत मरुत मरुत कयली मरुत
 वलस का संवाय ॥ रुवत सुतप वन सा रुज न वरु कलि
 यीरुन कुलपूत सहस्र विदपा न सपूत सु व न गन यि
 वाधिस ता रुवय ॥ पपीय ना पचने खाद सहस्र मिषु मिषी न नां वाधिस ता नी मरुत स तां ना यू न्ये क च म क स विदपा न सपूत

रुनि ॥ रुज विपनी का सिन ॥ सुपूत स दात के दालि का रुस
 किन रु वरु ॥ न वरु सपूत सहस्र मया ॥ रुक मया क रुत गन
 ॥ रुय थ पिना म क सपूत स रिवा ॥ सहस्र सहस्र मिषु मिषी

२६

रुक स विरु ॥ रुय थ पिना म क सपूत ग दान दिवा ल का स मरुत सहस्र मया ॥ रुके का वा ल का ग ग व न यू ॥ रुय थ पिना
 म क सपूत ग दान दिवा ल का स मरुत स स मरुत मया ॥
 रुपा न सपूत रुक स विरु ॥ रुय थ व ल स स रु ॥ रु
 न रु व रु स विरु ॥ रुय थ व ल स स रु मरुत स रु मरुत स रु
 य न रु व रु मनी व च न म न या रु ॥ रुय थ व ल स स रु

रुके का वा ल का ग ग व न यू ॥ रुय थ पिना
 रुके का वा ल का ग ग व न यू ॥ रुय थ व ल स स रु मरुत मया
 रुय थ व ल स स रु मरुत मया ॥ रुय थ व ल स स रु मरुत मया
 रुय थ व ल स स रु मरुत मया ॥ रुय थ व ल स स रु मरुत मया

30

अथ तमः श्रुत्वा कृपयन्त नया समन्तात् गच्छन्तमहं नमः परममिययुक्तिमयि निश्चिद्ये तत्कालं तद्विनामो लोके
 तस्यैव मयसी डे यका के पूरक ठक नयनै कृमि मय
 का नां ॥ पूरक लाय मा ना शमायू कां ना ना स भय त कां
 का नी भुवन स्या त त ला मि नि स्का पि ना नी ॥ अथ का नी
 तम माय का नी स डि क ना नां अथ का नी अथ पा म स ना नी दि य त स त सा म य ना नी ॥ अथ ला नि स डि क ना नी ॥ अथ का

नीव सोव कृत्यामया नीव कृत्यानि लल्युक्तानि मगनी यव धापि ना नीव का नीव सोव कृत्या मया नीव सिद्धा मया नी
 लला स यक्तानि दिवा नीव वामला दी कृती नीव उवां नरु स वपती यव धापि ना नीव ॥ नव का नीव सुव कृत्या मया नीव मी नीव
 नीव सुव कृत्या नीव ॥ यनिर्म ॥ नव का नीव उव य स न स रु मा नीव यनिर्म ॥ उव यि य रा यि धो मगु वि नी ना रु द र्प ल सु नः
 यि ला कृ मा ल कृ मा लो कार्ना डि वि का धा य सा य ला य यि ला ॥ न न रु व म रु उ वि या स र्व म या रु जी नी ग व व ध य धा नी ला म
 गु हा स न का नी उ वि य स न स रु मा नी न मि ना स रु गु हा यां ह पि ना नि प र्श पा सु व पु र्ण नि न मि गु हा यां न य म या नी

३१

३१

की लाल का नी ल क मा स रा य क नी रु खा रु वि या नी रु रु पा दा नि व र्था स्व पि ना नी ॥ ए वा म स र्व दानि रु रु नी रु रु नी ॥ य ध
 म द्वा ल का रु म य दि नि य द्वा र्थ य दि ल म र्थ ॥ य नि य द्वा र्थ य म र्थ ॥ य रु र्थ द्वा ल ना म म य प र्थ म द्वा ल ना रु म र्थ ॥ य रु
 म द्वा ल ल प म र्थ ॥ म फ म द्वा ल र्थ व र्थ म य ॥ न ना नि स फ द्वा ल नि ॥ न रु क क द्वा र्थ प र्थ प र्थ ग ठ क पा ना नी य रु स म य क नी ॥
 न मि रु रु रु रु व म य द्वा र्थ प र्थ न न य य प ली स्व पि ना नी ॥ न रु क क मि द्वा ल ॥ न रु क क प र्थ न रु रु रु प ली स्व पि ना ॥ न ना रु रु
 स रु ॥ प्र रु स म रु रु य मि ॥ रु रु दि दि व स म रु रु का रु प ना ॥ रु रु दि दि व रु रु रु रु रु रु रु रु रु ॥ रु रु दि दि व रु रु रु रु रु रु रु रु रु ॥ रु

३२

22

स्य सर्वं नय तस्य संविनयनि ॥ अथ वृत्ती तनु लुद्याम न ॥ काल ४ न ४ अथ वायू लुगि मलन काल १ ॥ स्यात्क रूढ
 ४ अथ न ४ अथ यनि ॥ वल म १ ॥ सं ग्राम रुधां
 द्या ४ कालं कृत्वा न रुदा कृषि य धर्म मस्मा कवि न र
 गम वयं रं वाम ३ ॥ अथ न ॥ माहा ला जान ४ सर्वं न ल क
 ग्य का नी सु नी कि ना नी य दा न ल र्थ स ३ ॥ कृ व नि ॥ ट दा मा हा र्थ ना व मु नी ॥ न दा द स ल थ पूर्ण न दान क ल्प म रि नी

मी यमगलाजिकाना नरुलीयव लुदक मय गृह सुनीपिथकामय गृह संप्रसिद्धम स कासा द्वातमागनी ४ द्वा
 लयालेन नूतन ४ मायविसावा मनकं यादक लसथयनि ॥ दूलाद रुम वा मागनी ४ ॥ अथ सदा लयाल नूतन वा च ॥
 यादक न क न मा र्मी मागनी ४ सु ग सट माद ॥ च द्वाया सादा उष आगनी ॥ अथ द्वातया लय लस ४ गं ला वलि मा
 लाययनि ॥ द व अगनी कृता म ल क यादक न ४ अथ वलि ल गु ल द्वा नूतन द वा च ॥ द्वा स व लु या च ॥ न द व अगनी
 जानामि ॥ अथ य व ली सु ल द्वा नूतन द वा च ॥ आगनी उ र ग व ला आनीय नं यादक ल स न द्वातया लय लस सा ले

३३

याक ४ य विसम लयादक न सपदि ना ४ तत्तपि ० म नू द ल ४ सुकु न न व वा य ल ग ४ स च न ना उ पा धा यि ४
 निशायन ॥ स प ली उ न द वा च ॥ उ य का ल प
 ट माद ॥ कथं जान स र ग व न सु ग मा द ल म्मा द
 थ ना ला य न ल वि द्यु म व स द न वि प नि स ली
 कथयनि ॥ आगनी यादक न द्वा स म रिया यं वि सु म्मा न म्मा ट म न वा च ॥ द्वा प द र मिया वा या मि न सु न म न द म्मा

ल स नूतन प वि द्वा नि ॥ अथ स न वि द्या न म्मा ॥ य नि स
 न य नी मि ला नि वि द्वा नि च ॥ आ रू का पा ना व यं ॥ अ
 र वि द्या नी ॥ ट न म्मा न स स ल ग नि म्मा च स ल द्वा स

लम् यदि माहवाक्म नद्विपदयावसा मया नीनी यदा नीन न्नूपुदरुनि ना यतिगुरु न स्यापतिष्टरुमि
 यूयपाव न्ननदिना गि स या नीय सुवर्क सदिगन सुनवामन कु रयम न द्यायि ना अथ मुकु व नि लि ३४
 वनदवाचन नाऊनकथी नमया का लपुल्लवयवि ४४ नरम व लयपुमानादु नंतवन ना न सन कमरु
 लम नरुवनः ननामन महायुमा नी दूर्वा न शय ड्यादि लाक् सवाव ह्ये ना गृदि ला २२ सि गच कुध
 नूटम स रि षु पा ल स्या ॥ अथ सवली ल स व ४ अथ मूषयपनि न ४ स नि रु ४ थ ल थ ना य मा न रि न ४

रुनमया ग्वरु रुनविह रु नी ॥ द्विपदानी प लो पूना निरु निवप दं न र्ही विद्यु न ॥ नदा सक थय निरु निर्यपन
 र्ही विद्यु न ॥ य न्मय नि गुरुं या विनं ॥ ट कि ष्ट स म पाय क ला मि म्म दं नू थ ना लाय न रु म्म ग द वा र नू ॥ य
 गादं स्मय या मिगु ल य स्म ट र्वा ॥ अथ व लि व पू र्वा व न द वा र नू ॥ या ष्ट स मा रु य ना न र्ही क म्म द ॥ स
 र्वा स र्वा क रु न स क थय निः ग र्वा ग र्वा क र्वा मा र्वा र्वा न स र्वा पा स व नू व ४ सा व र रु र्मि वि ना सि ना ॥
 ट पी क मा लू क मा लो क पा द व ॥ क र्वा वि न सि ना नि व स व रु म या नी सि ला स ना नी दि

वृक्षनी॥ आदिफाद्यदि फासंयुक्तलीनापथ्यनि॥ दृष्टवस्तुसमापद्यन्त॥ ननयं मया लयूलवध्वपाहनायनं
 रसिनलालीनं कुरुधाला लयवनेमहापथ॥ वाद्यविमिरिक्तो॥ उक्तिफय्यादयू अन्त्यापादोपादरवक ४ अन्त्यकै४का
 कगधस्थानादिरिरेय॥ मरुनिनातुकिपावदानांप्रत्यनरुवनि॥ ननकूलधालालयविनामहापथ॥ द
 वटिर्यसाषाडसाहुल्यमा दक वृकायकेकपादययैययैसनालीकृष्का नीपुविसनि॥ सवीकादकलानि॥
 किमपापायलवनसवयनकर्मकर्ण॥ अथनयमयालकापूलवगुर्वमादू४ मार्या नलवयानथागनृस्यपिष्ठपातनी

२३

२३

र्यानिर्ग॥ नलवयाधर्मगलुमाकाद्यमानागुबना॥ नचलया कविदानीनीदियमानानिदृष्टाअनूभादिगानी॥ नवल
 याकृतिव्यदमुयुविमानियदकिशीकृमनी॥ सकथप
 नेकथयटि॥ नम्यनकर्मरुलंछनरुवमर्गयमापलेनी
 मयभालाका दकथयनि॥ गदुनिरुगवनी कर्मरु
 लसुगमलनतकक्रियलीक्रियावगुर्वसकि मर्गयवि चचनिमदयिजिवनि॥ र्यदाकासंनकवली॥ ददाअधिखदान

लि॥ अगुद्धाअरुवन्॥ यायवक४यूधदर्मसयवजिद४
 यनयेमस्य गलु ४युतगनीला उपनामयनि॥ अथ
 मिमूयदमयनि॥ अथनयमयालकापूलवानीलाका

धातुयन्त्रिकः ॥ टाधिकालवक्रवर्ति ॥ गमकसाया गुरुमरुववि श्रुत्तुर्न दह नरुमाभाष्टभापिदना नीविधिर्यननानूविमं
 टनी ॥ कष्टमपिनालमापिदयमपि नृगवत्क लानिगुदद्युः
 कश्चिन्नुगारुवनि ॥ पत्तुसाक ॥ उरुहि मरुत्तुयत्वनपूषाक
 जूवलाकिर्न ग्वला वाधिसखी मरुत्तु सखी न द्यावायना ॥ ग
 जूवममरुत्तुनिपागारुवनि ॥ गान्त्रवलाकिर्न ग्वसखी वाधिसखी न मरुत्तु सखी न लस्यउ न द्यावायना नानावसना

दायमाना नी ॥ सर्वनकायदहनी ॥ उर्वमाहाला जान
 रुयाम् ॥ अपमानेसामिका धर्मदसनादना ॥ अथस
 मिष्याम्यदं मरुत्तुलाजा नृसिजनवनमरुत्तुविलास

३१

३१

सनकलाय ॥ दिनधिना नृकपाय ॥ दिवाकलकललावनकलाय ॥ पथिविवललावनकलाय ॥ रुयंशलाउमरु
 माय ॥ मृष्टुद्वसत्ताय ॥ यलमयागमनपाफाय ॥ माश्रय
 मगठपलीया लनकलाय ॥ षट्तालमिगानिदसनकलाय
 किर्न सखी सुखिगारु सत्तायटवनाममनसलनि ॥ म
 ष्युटनगलाययनेष्यनवनाममनसलनी ॥ मृथानिगवद्व ४ पापद्व ४ रवट ४ मृथननारुयटवनाममनसलनि

वलाय ॥ भापियायचिकामविलसमदसाय ॥ अ
 ॥ मृथननकलाय ॥ मृष्टुद्वसत्तायकिर्न जूवला
 यकिर्नकल गुरुत्तु लोत्तवेष्यनृविश्याययवे

गच्छन्निबन्धनसूत्रादिनिःशोकधर्तुः क्रमिगारुह्य नृधमगनस्य धर्मसुखनि ॥ अथ र्यावलाकिन लावाधिसत्त्वमहासना ॥
 वलितसुखं लुखयाका ॥ तनमनपुत्रयुक्ता ॥ रुविषाणि ॥ लमसुखं रुसिनामनथानोः रुम्य कवुधसाकृपादिवि
 द्याचलनमम्यन ॥ ४ ॥ मनासाक विदन्तुल ॥ ४ ॥ यल्लयदमा ॥ मालथि ॥ ४ ॥ साकादवानाके मनूष्याना के दूदा रु मया
 न ॥ सर्वे न ॥ अरु सुखेन यारु विषाणि ॥ ४ ॥ ववुधरुनेनः ॥ लागमद्वं नद्वयं सवुध न मादुसद्वं रुविषाणि ॥ ४ ॥ ददु
 दिमहाविद्या कलथेला रु रुविषाणि ॥ ४ ॥ ननस्य धर्मदक्षी ॥ ४ ॥ उपनामिगा ॥ सनसदुधमं लमका दारं यामसदुध

३८

३८

नी नीलधिगलादिगाव दानानि रुटिकलजगवुर्नी नीगलाचवि ॥ ४ ॥ रुवसुथमगनस्य यल्लना वावसुपिगनि ॥ ४ ॥ दानद्वं
 ना नगायसुलासु ॥ अमुनाम ॥ ४ ॥ तगा मगुया इमनू ॥ या ॥ ४ ॥ नीपनिगा ॥ अन्वकोनी वाधिसत्त्वमहासनी सुव्रीपनी नी
 ॥ अथनवी वाधिसत्त्वनामथा मगल मं जानाम वाधिस ॥ लउल्लयासनांदकासमरु मास गं दला दकिन जानम सुन
 यधियापुनि यथा यनरुगवा रु ना रुलिपुनम रु गव ॥ रु मेदवाचमू ॥ ४ ॥ नारु गवन रु य अग रु लि स ॥ ४ ॥ रु गवान
 दानमकुलपूरा वलाकिन ग्व ला वाधिसत्त्वमहासत्त्व वलितसुखं लुखन विरुल निगनो मल सय अग रु नि ॥ ४ ॥ अथः

गगनलाजावाधिसस्त्रोमाहासस्त्रो। नटदवाचन॥ कनायायनयस्यदमकलाकिनेग्वत्वाधिसस्त्रोमाहासस्त्रो॥ रुगवानद
 ॥ नयकुलपूजकृपागच्छनि॥ अत्रलाकिनेग्वत्वा॥ वा
 न॥ ४॥ मदाजटवनमाहाविहसदिव्यानिपूष्याविहसना
 अलकालसगसहस्रनिपुलविनानीमुक्ताहालनासगस
 रिवलमुग्धमयलमिगानी॥ अत्रलमुग्धमयलमिगानी॥ लाहिटदधुनीमुवर्हलयापगति॥ अत्रकानीपूष्या

३२

३२

वृक्षाही अथकानिकययूष्याधि अत्रकानियूक्षिनी सगनी पूष्यापली पक्ष्मिनि युवतममरुनानी पादः
 रनानि॥ अथगगनलाजावाधिसस्त्रोमाहासस्त्रो
 ग्वत्वावाधिसस्त्रोमाहासस्त्रो॥ रुगवानद॥ नयकुल
 चकालनामरुमित्रीगच्छनि॥ अत्रनूष्यावतलं दधि
 नामरिलामनी लला४ संवावराषकलन॥ अत्रकानी उक्ताहालनासगस
 गवनमटदवाचन॥ अत्रगच्छनिरुगवराः वलाकिने
 पूजनावली ससुलदुसुलगवनानिष्कमनभाच्यं
 विपुदसंजुजसपुनरंछादिती नयकलयन॥ वतदा
 नामरिलामनी लला४ संवावराषकलन॥ अत्रकानी उक्ताहालनासगस

४ सम्यक् प्रदाद सकलान् कलत्रं विव सपि सुयान सयना सा नयु र्ययरे व हयसि का से रु वन था न
 टपू न्यस्क न्वन हयिउ ॥ सा न वा द्वा ॥ भका कि न भा न्वका लरु म्या वि द्वा ला सि ॥ ट य थ पि ना म कू ल पू ग व रु मा रु
 द्वि या ष न के क गृ ह वि द्वा लं का ला य पि न वा ॥ मो व ले त्र म य न रु वि द्वा ले सु य स रु स कू र्यो नू र्ति बा र न क दि
 न्य ध्वा ला व ला य न कू या नू स र न खा ध्वा ला व ला य न्य खू पू ध्वा ला न्व नू ग ठा का रं सु य रु स म रु या न नू ग रु स
 व ले ला ज स्य रु उ ख दि का मा अ पि ना थ य ४ पू ध्वा ला न्व नू ॥ न द्वा थ पि ना म कू ल पू ग पं स मा रु न द्वा मा रु स म रु मू य

४७

४९

सं काम नि ॥ उ व भ व कू ल पू ग का रं सु य रु स मा रु न सु उ ल त्र ला ज स्य पू न्य स्क न्व मू प सं ना रं लि ॥ अ थ नू ला रु स ला
 रु ता नू व ला कि न न्व ल वा धो स ल मा रु स ला म्भ ट द वा च न ॥ य स ला ४ कू ल सु य रु स म रु या न नू सु उ ल त्र ला ज लि बा य य
 नी ॥ न य रु स लि नि ध र्म स्क न्व स रु मा नी ली खा पि ना नी रु वं लि ॥ न रा नू नी रु व नि न्व क व लि न रु द्वि य स ला ४ ल
 वं लि ॥ स रु स प ना नी सु ला ना वि ला नी वं ला नू स य ना य न ह्ये नै य म द का नी ज न य ना रं य स न य ली रु दं का रं ड क रु स
 मा रु या न सु उ ल द्वा ला ज स्य ना म ध य न्व म नू स ल लि ॥ ४० म रं सा लि का दू ४ र वा ल्य लि म्भ नू ॥ जा नि धा पि ज ला म ल न ह्म क य नी

42

52

नमो वाधिसखामदासखो स्नान नदवाचु ॥ अन्यकालीमयासखो वाधिसखमाखनीज्जुयि नयानी ॥ अथ न
यकगारुसा ४ कलकया लदखा लयलो वावधीना ४ नय
किन नयवाधिसखामदासखो धनर्मसाकथात्तरुवनि
लावाधिसखामदासखो ४ संसुहिना ॥ अथ नयगारुसाल
वाधिसखामदासखो मटकादवाचु ॥ सुनिनीवरुसुयुष्माकट् लटयवागमा ॥ अथ नयगारुसालाकसा नयलो किन नयलो

वपुःमनदवाच ॥ माहावादनकनमायाहृत्मागन ॥ अवादनरुमाह ॥ जगत्तननाममहाविहसतगणहमाचन
 शत्रयसदवपुःननवाच ॥ कीदृष्टिसारुमि ॥ अथ स्वादननउददवाच ॥ सारुमितमनीयानिदिवा
 मनीलसपति ॥ वहीनयिया ॥ कलादृशमनीलमा
 ह्यादृश्यानि ॥ विविधाधसितवन ॥ शुद्धवर्णादक्रि
 नीदृश्यानि ॥ एवं शुलमनीयादवपुःसारुमि ॥ अथ सदवपुः उददवाच ॥ अतस्तत्त्वावादनसहस्रपुष्पाहलकलुष

॥ अथवाचवासितामनूयासितानेवमानूयासिदृश्यानिमिरुहवेनि ॥ यादृशसुनवनिरुहवनि ॥ अथसमावादनद
 यरुउददवाच ॥ नरदवाचमानूय ॥ वाधिसत्तुनवेदि
 नमोलीकंदलमयनामयनि ॥ उपनामयित्वा सदवपु
 वजिर्न ॥ अथवाचयिनविज ॥ अथवरुत्तसंयदा ॥ अ
 र् अरुमाहावादनरुमाहवनीकायादवकिर्यसिदृश्यानिपुष्पकनगागत्तावलाहसिनीयुत्तनावाहिनशाकामस

45

84

रुलमनयार्क ॥ ॐ नमि रुलमनयार्क ॥ ४ खाला रुमि नागा गद ४ खनवा धन ॥ दय ४ खनवा धन ॥ माद ४ खनवा धन
 ह्य ४ आया गद रु नन कयनि ॥ नक ह्य विज्ञा विना कलाय ॥ मिष्ट ॥ अलि लना धर्म वया वस्ति ॥ सी का सवल म
 प गद ४ उव माद ४ नन लपि पा ॥ नि पा न न वयं न कू र्क म
 न वय जि वा म ॥ पू ल ल वला रु ह्य संप र्ण न कू र्क म ४ ४ ४ ४
 मा ल सत्या ४ सि रु ल द्वि पा द व नि र्ण वा ला ॥ ह ह्या म रु न ग र्क मू च लि य मा व ह न न म ग न का नी कि मी कू ल स न स मा नी पु नि व

द्यायः कलर्गः पर्वपातकानभादूक्षयः नि। नाम न
 नव्वरुहासनरित्वा सुवर्गः मुख्यतया लोकधनादय
 पालकः कृत्वाटस्मिन्नासागस्यामास्तनगर्यायुक्तानाद
 नस्तनियत्सुत्तमान्तरुयनः ४ विन्हाटवधानीयली

五

38

लुविविधनीपिटकानीवर्यानीयुवयिउमालय ॥ यथममूद
 दियानिपिटकानीसंससागुपनानीगनादासनप्रसीपुली
 दाधन्यवषयननि ॥ अन्धानिवनिलमंडूत्तकालून्नादिधन्याः
 दानरवामरिप्रायमनुसिधम ॥ अथममाठाधमसत्ताविस्मय

मायसास्वितसर्वान्धकान्निविशान्नाऽविश्रमियलस्यसमवमाद्रुऽकस्यदवस्यार्यपरावशा नगुरुषापूर्व्याभंम
 मध्यादिनादृष्टामदृष्टकऽकस्यअपानसिवकु
 व्याकमन्यदवस्यकस्यविदीदृग्भयलवनि॥ अवि
 यषदादृष्टनि॥ किदृग्भयनीमीरु॥ अत्रा
 नानाद्विपरवऽसूर्यनायदग्भनायुगलनऽव्यापकनानांनदिरुदऽरुयारि नानामरुदद॥ व्याधिपली

४१

४१

पिठिनाना॥ नद्यरुनऽदृऽखिगानासुखानांमानापिरुऽरुनऽअविश्रयपन्नानांमा नापिरुदृष्ट॥ अविश्राव्यपन्नानां
 सुखानीवाह्यपदसकऽदृष्टानोनवन्ना नस्यलुनवि
 सलनि॥ नत्रयश्चिमेरंसासीकदृऽखस्यपलीवजयनि॥
 स्यादृग्भयलीरुदृष्टयुषाधयनीर्यनयनि॥ यत्रवसाकिरु
 कुरुंकरुकी॥ दलाजनाजायकचक्रवर्णिनऽसकलत्नसमत्वा नगाशागद्यथा रुक्मि नर्तकनत्नश्रवत्तत्नरूप









निलत्नं पत्नीनायकं च त्रभुवसफ लत्नस्य रि॥ सफरी लत्न ४ सम त्यागनारुव नि॥ यथा व सा कि न ग्य सा स्या वाधिसत्त
 त्य मत्ता सत्ता स्या उव यथा नी यानयानि॥ गं शुभ न्न काया यट यथा य पद्य न गय सी पूर्त्ता ग्य ग्य रुवति
 ॥ उव सं पल्लव ४ न वि स्या व र्द्ध क्ता न स पद्य सत्त सत्त न नी व स नी न्य स्य सत्त ४ अथ सं जिन पूर सत्त ४ अ
 नूला मयी धर्म द स ना क्ता सत्त य नी व स न य सत्त ४ अथ व सा कि ४ ग्य ग्य वाधिसत्त सत्त वा का सत्त कि
 ट ४ अथ सं अथ सत्त का सत्त सत्त नामा यद ॥ वि ग्य रुव न थ ग्य गो म चित्त का लं द द श अ स नू य व द ज न व न वि द स म

४८

४८

नूपाय ॥ अगच्छं र गत गद स्य ४ अथ सा कि न ग्य सा वाधिसत्त मा दा सत्त ज न व न वि द स लं य वि द ४ या व स्य स्य
 स्य न का नी द व ना ग र्थ रू ग च वा शु ल ग ल उ कि न ल म्हा ल ग म नि म नू र्वा म नू यामि॥ अथ का नी व वाधिसत्त सत्त
 नी स नू य ग म नी ॥ अथ ग ग न म न उ अ वाधिसत्त मा दा सत्त रू ग त व न म ट द वा च नू॥ क न म र्थ रू ग त व न वाधिस
 ल अ म च्छ नि॥ र ग व न द ॥ उ व क ल य ग व सा कि न सत्त वाधिसत्त मा दा सत्त अ ग च्छ नि॥ अथ ग ग न उ अ वाधिस
 ल मा दा सत्त सत्त व सत्त ४ अथ व सा कि न ग्य सा वाधिसत्त मा दा सत्त रू ग त व न ४ नि पु द कि न ॥ स्य व म पा ल वि स्या क ४ अथ र

दा

१०

40

[illegible]

मसमाधि शाय राम मसमानामसमाधि शासमखाव गादनामसमाधि शाविमाननिष्ठ दानामसमाधि शाकलवि
 कलनखनामसमाधि शानि होत्युत गन्वा नामसमाधि शात्रुनामसमाधि शावक कवचाना
 मसमाधि शादितन तननामसमाधि शासिद्धाविकि
 नामसमाधि शासंका नामसमाधि शात्रवलासकलाना
 ननामसमाधि शायरुनामसमाधि शाकाकलनामसमाधि शात्रुलससहवादनानामसमाधि शाका

३१

५१

वधाना नामसमाधि शा निर्विघ्नसंशयना नामसमाधि शा मरुदिवाना नामसमाधि शाधिय लाङ्गना नामसमाधि शा रा
 वागकलना नामसमाधि शा अरुयकलना नामसमाधि
 कलना नामसमाधि शा यागकलना नामसमाधि शाय
 यरुना नामसमाधि शा सिद्धविहसिना नामसमाधि
 वृद्धिरुना नामसमाधि शा मृगिन्दियवदना नामसमाधि शा अदिमूकना नामसमाधि शा जयवाहननामसमाधि शा

मादसंदसनानामसमाधिः॥ ॐ ॥ नरि ४ कृतपूजा नवलाकि नवला वाधिस स्वा मादसगा ४ समाधिरि ४ स
 मलागन ४ गला ४ कृतक लामविवल समाधिस गसद
 स्वाधिस स्वा मादस स्वा ॥ अतमिनयून संला
 ॥ यागववाधिस सं रन सा पूर्व कृतपूजा दवाधिस
 पकेट वाय केरि ४ वनीकपूरु सने ४ सादस केन ४ यिन के ४ उक्ता रि गदरादिरि ४ यरु नयू धमा ला फरी

५२

५२

यार्हिदुलद्विय संयस्मि ४ ॥ अमन गमज नयद ला झा ला ज धानिय लीप लन मूरु था संयूरु मा ना सिंदु लदिय म नया फ था नन नि
 पुन के या पो न पारु पुनि पादि न न दाम या क र्क ला ला अरु
 द्विध मूवाय वावा नि ॥ अथवा य ऊ द्विध मूवाय वावा नि
 यन ख ल द वा जानी या न सिंदु लद्विध मूवाय वावा नि ॥ अ
 निवा सि नि लि ला रु सि रि अथा अका ला ल वाय ल न्म ४ स व गान या ४ ख लु ख लु वि नी रु सि व व नि कू प ल्म उद क य नि ना

वादूयलनस करुमातद्व॥ गगानितस्यसमिधमनयाका॥ गगोत्राहसिनापचसगतीनीश्वमिगतीनीलीकिलयमानानि
 कुमातीतपसहिनीमाये॥ गगकूलसमिधमयसकुना ॥ उल्लयसाठकानिवद्धाउदकपुष्पिका॥ नवधकियानीवसा
 नीगृहिलोनिधिठिगुमातद्यानी॥ निपाउयिन्नागनसा गल्लनादकिक्कमभ्रययेंदस्यमहाकचेंस्यकपविरुस्यन
 पिमाकाविममिन्नावलसार्साकथाकरुमातद्व॥ इस्माकूमपाय॥ सविश्वन॥ नैकथयकिनीनात्त॥ इस्माकूमपा
 यस्यास्यगमिस्वयसाकथकिताउकितावतवावहि॥ न॥ अथनलाहसिर्नखायलन॥ इस्मावमाद॥ अस्माकानांस्वामि॥ तव॥

॥ अगनीका नांगनिका तव॥ अश्रिया नापार्जद्विथारुव॥ अलयनार्तामलानासयनारुव॥ अमानि न अल्लगृहानीपावगृहा
 निवक्तु गृहानि॥ उद्यानतमनीयामयूक्षीलीनीया नी॥ गगानिलोहसिर्नि॥ नवककपुत्तस्यगृहिलासकलकनिवसन
 पुष्पगग॥ यावतगगालोहसीनां॥ उद्यनतमनीयार्दक टपिना॥ सनपयिन्नाकिठिगुमातर्ध॥ सनर्जमातुष
 गगानिसल्ला॥ सयि॥ न॥ अथजावत्यग्यनीलनीकलंदसग॥ टया॥ इद्विस्वयमान॥ न॥ कदाविस्वासायाद्ववा॥ अगवाकलिन

॥ वरुनिकलदसम ॥ टदा मस्य युवाहा लक्ष्मिं कालं लयूष्मा कुरु स नैक थयमि ॥ अयसिदु सदिपुनी वासी नीवा रुसिमा
 गवडि विना कलायक सीयमि ॥ टदा मस्य युवाहा लक्ष्मिं कथयमर्दं युवा कजा नामि ला रुसि सियदि नप नियसियसि
 टदा दक्षिण कापथ सीक गृदि ला अनविवसु न गच्छ
 गृदि लं गान का नीपनी कसना नी रुसि ला रुसी
 टदा पिमा गं गच्छ कि ॥ ठ ला वन मा रुनी लो रुम दाम गृद द्वा सयमि ॥ टदा मस्य म न मा रु जा ला नाम नी डा न्यमु ॥ अथा शि स ल सा क्रि का

७५

५०

लसमय संपुस्तिना ॥ चंदा वरु स ड म ड्डी द्वा मय गृद अनविव ल न दक्षिण कापथ सीकां गृदि ला सपुस्ति न ॥ अनपुयान
 अयं स नं गल म न पाफा ॥ सम क न प नी न म नि स व द्वा ला
 रुसि न वा गृध ॥ न गाम या रु ला ला स ना स द्य कृ नं न नी
 ॥ अस्मा कं ला रुसि लि ४ अय स्य न ग ल क्रि का था न
 नि न र्वा स स न ग ल क्रि य नि ॥ ट न ग स र न व र्च मा खा न न दार्द रु मा क वि रु द व नि य पू न ल व द क्षिण कापथ रुसि कां

कामाचारयनि॥ त्वगच्छु रव नावदिन गलं समप गच्छम ४ सुखवदिन गलं सप्तपुष्टिना सुखवदिरन गलं दत्ता १ का
 नविनामि विमुमिलोसा कथा रुमालस ४ कथा विदितिरा योक्त
 कथयनिममदि लम लसा गाय गनाहा ल वसंययनि॥ कवि
 थयनि॥ ममदिय मालिकु ४ समुद्रम सत्रो लयनि॥ क
 यनि॥ ममविधि धनिरचने कउ लो क कय लनि धा लयनि॥ ७ वने ४ सां कथी केन॥ नखा वनिकय लू मा नां पुया

३७

५३

ललं क सामि॥ नयुक्ता कय क मिदं य लम सा क लाह सिर्ति ४ पु मला क विदितिर न सलो २ मदा सा थ वाद नाक
 सि सिदु लदि पुनि वा मि नी वा मि नी य दाने वा म
 ४ य मा ने पि लो क सि॥ अथ ने व नी क य लू खा
 र्वा म रा य वा ल क ने॥ अस्त्रि पू या कं म सिदु
 सर्व ग्वना ना मो धि र क सर्व कृ पा ल क ल स आवरु न क सो नि॥ क ला व स ली ल पु स्त ट य कि नि स स्त ट रि ला

मदानिनी वाक्पाणिपदादुत्तमि ॥ नवमकि किं दृष्टु ॥ कन मयि नवय गच्छम ॥ सय वा दल लकृ मा ल र्थ ॥ ४ ॥ नि
 यादिव नवयं गच्छम ॥ पू लु ध र्म द स व लं क रू वां ॥ नकु या का ल द र्वा प न ल व न न ग रं प वि ना ॥ ४ ॥ ग व र्क ॥ ४ ॥ क नी
 नी वा स न म म प ग ना ॥ ग र्हि ल क र्हि रि ॥ ३ ॥ स र्वा नि
 पू र्ण सी लि नी ल म नि या नी म क थ या नि ॥ न व म कि कि
 सि रु र द्वि यं उ द्या न ल म नी या नी वि वि धा नि पू षा प ली पू र्ण नि ॥ अ न्य का नी य कि लि नी ग नी रं प वि हा ल क रू मा ल स ॥

नृमियदि नपु नी न स व र्ण क रू वां ट मू द्या न र मि द स ना था य स कु मी र्वा मि ना नी व वि वि धा नी पू र्ण सी नी पू षा प ली पू
 र्ण नी य ध मि मि ॥ ग नी पू षा नी म र्दि खा अ ग मि
 वि चि र्वा ॥ अ थ वा ला क र्मि जा र्म नि ॥ था ग र्म ना ला
 दि र्वा र न वा र्हि नी ॥ ग या न म य पु नी ना ग्या द ला ना
 अ र्थ य रू कि का ल न क स र्वा नि टं ॥ अ थ स पु न वा च नू ॥ ल द र्वा रि ल ग र्ज वू द्धि प का म न र्वा ॥ ४ ॥ ग मा द कि का सी म र्दं

^स
 अथ पूर्व किं च न विवर्धन ॥ अस्मि भवसिं कुरु तद्विधिविधानो ह अन्न गुरु नीयान्न गुरु नि ॥ वस्तु गुरु निविधी धानि ॥
 मंड आन ले मनी यानि दिव्य मूर्ख पुत्य न रुत ४४ किं जं वृद्धि य स व स्या ॥ न द्य कं हृ दि ला व न वा व ४४ म न दि
 व सम नि को ना ४४ दि टि य दि व स्य य नी ग दू सानि स व ल कानि स वा वी गु नी स क्री कृ ग नी ॥ क नि य दि व स्य य ४४
 का ले स म र्थ स व न स्य स्य ना ॥ न व व द न न स र स्य नि क नि ना नि क मि ला क्रि या का ल क रु मा ल स व न की न
 वि न घ्न न र व सी ह त द्धि य नी सि क्रि न यां ॥ ला सि ट ला सि र्ग म या अ स्मा रि ग न व ४४ स क्रि या का ल क रु मा ल स्य

सि ना ४४ न ल सि र्ग ल सि र्ग म र्थ ल य न घु व न कृ नि ॥ अ नू प ४४ स पुर स वा ला न्ना मा स ल ला ज न ग न या का ४४ या व ल स्य नि
 वा ला रु क नो म इ स लो ज न स र्व ग्य ना ना मी र व धि मा स्या द्य नि ॥ आ स्या द यि वा स व र्क वा ल का स्य स आ व र्क
 न य ल व रु न क ला रि क ला व स सी ल य ह्ना ट य नि ॥ य दा स ली ल य कृ न कृ प नि ॥ ग दा सिं ह त द्धि य स ल नि क
 वी वा यो नी पु य रु ल न ॥ क ४ या ल गामि क ४ पा ल ग मि नि ४ क ४ पा ल गामि ॥ अ थ न व धी क पू ल य वा न व मा
 क ४ व य पा ल गामि न ४ अ थ स वा ला रु ना मा न्ध ला ज न ट द वा र न् ॥ य दा स ली ल य म्हा ट य नि ॥ न यू सा क क न चि न

सिद्धलदिनीलीलीटयंकनसिचइलयाटयीनयं ननाछसक्रियाकालकलाटदादंयथमनलमालध ४ यग्याल
 यक्षणीठनीवनीजानांयदार्नशालध॥ सुदानर्मिदल द्वियनिवासिनीलाकृति ४ किलीकिलायमानाकृन
 सुट ४ यदुगामीधवनिकरूनकलुर्णगवृद्धविपला लार्थननरुसुदकसदसुखापुनिनीवनननिलिरेड ५५
 मालय ४ यदाटनीलीकृतिटदानननामूखा ४ यगकि॥ यदार्नउदकपेननिनयालाकृसुउच्छिष्टाक्रियारुश्रय
 नि॥ यददाइदंमकाकिंनद्रिपयुलकन ४ टदामिल सुसमिपयालाहसमाखनाननविपदाक्रीलीकृलार्थयपकांन ४

ननादंसयुस्तिन ४ सुक्रियनीवसुममंययाहानूतिरसमानान् श्याकमदाभमानपिनलीककुंयलिषडपल
 दिउमालय ४ टनीवायमपनलानिसुनिगानीनदइयामालय ४ नगामानपिनयासाद्विषमकांनननया
 सुवंनरुटयलवमाखार्न॥ ननरुसुमाकापिनलीकथयकी॥ जीव नपूतकमनयाक ४ ननासाकदयेनरुशजल
 कासयोरिरुट॥ जलाकसमार्थमपदसक ४ मालगनकासयिधुदानासा॥ मरुसाशोनाथकसनशीनरवा
 नानामपूरुसुवव न्येमाकापिनलीरयाट॥ वृटसमयोसवनीवसेनविष्कलिमहासाथवादेवीधिसलेरुटनद ४

न
 स्वमनसु ॥ नद्य अपिनासवनिवतल ॥ विष्णु म्हावासादुक्तम गुरुगर्भाः द्रवसाकिने श्वसाकिने श्वल
 हावाधिसुतमस्तमगनगादहादुक्तम गुरुगर्भाः द्रवसाकिने ॥ नद्य अपिनासवनिवतल नदी श्वसाकिने श्वल
 केसु गुरुगर्भाः द्रवसाकिने श्वल ॥ नद्य अपिनासवनिवतल नदी श्वसाकिने श्वल
 हावाधिसुतमस्तमगनगादहादुक्तम गुरुगर्भाः द्रवसाकिने ॥ नद्य अपिनासवनिवतल नदी श्वसाकिने श्वल
 विष्णु म्हावासादुक्तम गुरुगर्भाः द्रवसाकिने श्वसाकिने श्वल

३०

४ स्वमनसु ॥ नद्य अपिनासवनिवतल ॥ विष्णु म्हावासादुक्तम गुरुगर्भाः द्रवसाकिने श्वसाकिने श्वल
 हावाधिसुतमस्तमगनगादहादुक्तम गुरुगर्भाः द्रवसाकिने ॥ नद्य अपिनासवनिवतल नदी श्वसाकिने श्वल
 केसु गुरुगर्भाः द्रवसाकिने श्वल ॥ नद्य अपिनासवनिवतल नदी श्वसाकिने श्वल
 हावाधिसुतमस्तमगनगादहादुक्तम गुरुगर्भाः द्रवसाकिने ॥ नद्य अपिनासवनिवतल नदी श्वसाकिने श्वल
 विष्णु म्हावासादुक्तम गुरुगर्भाः द्रवसाकिने श्वसाकिने श्वल

39

वयस्य ॥ नद्यथापिनामसुवनीवलनविष्कम्भि कृगनामनामकूपादावगियललेकूदलौनामनामविवलगण
 नकनरीगंधवकन्याकानिनीपूणसुनसदुअ
 कादसुनीया ४ यलायाम ४ उरव ४ धिषूकलम
 वंयुनिसिद्धिनीस्नादसानियलमर्शरुनानिन
 कालामवलाकिर्न ४ वलास्यवाधिसलसमहासलस्यनाममनूस्मलनि ॥ मयारुखसर्ववसुनीयादम ४ ॥ रुगवा

नाह ॥ अग्रहास्तकपूरा सामविदता नृससासायथा ॥ आकासुधरुत्तुग्राह्यसाम्या ॥ नृसमवर्गकृतपूरा सामवि
 वता अग्रहास्तकपूरा सामविदता नृससासायथा ॥ आकासुधरुत्तुग्राह्यसाम्या ॥ नृसमवर्गकृतपूरा सामवि
 रुना ॥ अथसुवनीवतना विष्णुमिरुगवर्गममद
 सत्तेन नदृष्टं ॥ सामविदता नृससासायथा ॥ आकासुधरुत्तुग्राह्यसाम्या ॥ नृसमवर्गकृतपूरा सामवि
 स्यवर्गकृतपूरा सामविदता नृससासायथा ॥ आकासुधरुत्तुग्राह्यसाम्या ॥ नृसमवर्गकृतपूरा सामवि

54

॥ अह ॥ अहं कृतपूरा मायावि असाष्टासु अग्रवमवर्गसाम्या ॥ नीलं नृसमवर्गकृतपूरा सामवि
 ४ कामिसुगसुदृष्टं नृसमवर्गकृतपूरा सामविदता नृससासायथा ॥ आकासुधरुत्तुग्राह्यसाम्या ॥ नृसमवर्गकृतपूरा सामवि
 कापु अग्रवर्गकृतपूरा मायावि असाष्टासु अग्रवमवर्गसाम्या ॥ नीलं नृसमवर्गकृतपूरा सामवि
 गा नृसमवर्गकृतपूरा मायावि असाष्टासु अग्रवमवर्गसाम्या ॥ नीलं नृसमवर्गकृतपूरा सामवि
 नृसमवर्गकृतपूरा मायावि असाष्टासु अग्रवमवर्गसाम्या ॥ नीलं नृसमवर्गकृतपूरा सामवि

या

पूराव

सखा माह सखा ४ पाणि हार्य क्षाय दसय किं ॥ अथ कानीय वाधिसखा कानि नीयन सन सखा निषलीपावय निरुर्वानि
 ग्वगानी वाधिस सखा क्षय निषाय पि च ला ॥ शुखा वानि ला कश्चातु मगच्छुनि ॥ अमिगारु सखा गन सखा निरुर्वानि ५१
 मर्नमं क्षानि ॥ अथ सवनी वल वविक्कहि रुग वकभटदवाच ॥ कनपाय नरु गव नूपस्य स्वदं ॥ ॥ रु
 गवानद ॥ यदिकुल सखा ४ रुव सखा सखा क धातु मागच्छुनि ॥ ममद मनाय व ननाय प्रयुपा सनीय ॥ अथ
 सवनि वल वविक्कहि रुग वकभटदवाच ॥ अथ नाना मरुद गव नव साकिने ४ ला वाधिसखा मरु सखा अगच्छुनि

ना
 ममद मनाय वद नाय प्रयुपा सनाय ॥ अथ सव निषलीपावय निरुर्वानि ५१
 गव नव साकिने ४ ला वाधिसखा मरु सखा अगच्छुनि ५१
 यदिकुल सखा ४ रुव सखा सखा क धातु मागच्छुनि ॥ ममद मनाय व ननाय प्रयुपा सनीय ॥ अथ
 धिसखा माह सखा ४ मरुदवाच ॥ कनपाय नरु गव नूपस्य स्वदं ॥ ॥ रु
 सखि विन नव साकिने ४ ला सखा सखा नपुनिदिन न अथ सखा सखा मरु सखा अगच्छुनि

वाधीसत्तापुनलपिरुगर्वनभनदवाचन॥कठमकास रगवनवसाकीनशसावाधिसत्तामहासत्ताशगद्विनि॥

रगवानद॥दुसगियावदुसगि॥त्रकातलकलतयू
८॥त्रकाममयनद्यथपिनामकलतयू॥गमासामविव
वकागिनीयूनसुटसदुशानियनियनिसुनि॥कविद्वक
॥कविचुंरुमिका८कविसुंरुमिका८कविनसुफरुमीका८कविद्व

श्रवसाकिर्नशसवाधिसत्तामहासत्ताशगमनाय ५५
नादवमिर्यनमगविद्वनामसामविवसुनानकागिद
रुमिका८कविद्विरुमिका८कविनसुफरुमीका८कविद्व
रुमीका८कविनसुफरुमीका८कविद्व

रुमिका८वाधिसत्तामहासत्तारुवमि॥गद्यथपिनामवनीवसुनविष्कलीटसीनेवश्रवणविद्वनामसामसामविवसुष
सीपर्वनानी॥सुवर्लरुपामयाती॥लकक८यवक८
वमिरुदुसदुशानीदियासुवर्लनलापरिना॥य
नीनषूनवयवगसा॥त्रकाकानीगवसुगसद
यधितयनि॥गद्यथपिनामसुवनीवसुनविष्कलीटसीसामिगविद्योशमविवसुनकाकीनीयूनसुटसदुशानी

षसीयाऊनसदुशानीउकुथनग॥गनवापविवनीनवन
सुवाष्टकिरिषदकविसुडियादिकावाधिसत्ता॥श्रुतिवस
आधियनितसुनि॥यननंलामविवसुनगसमिनंनोरादिनंरु
नकाकीनीयूनसुटसदुशानी

दि यमनिमकप रोयसिना नी॥ सुसाहिनी सुदसुनियानो विविगानि मुक्ता बिरुदास नसद आनी पुस्तमिनी नय विमान स
 वाधिसखादि गुमिमिला नधर्म सांकेय कृतं लिङ्गः ॥ ५७ ॥
 सफनियेके लिङ्ग शाक सिदस्य कप ननया लिङ्गप
 यदुसिकर्मा गन्त्री कमादा सवमरुमादा सवयूषाप
 लुनिमूत र्हु लयापनानी दि यनं कात्यमिमलि गानी॥ मालिकु लु सय ग्नामयुसमिनी॥ हासद हासयमिनी कय लयुमि

गानी॥ अत्रयविविधत्र कात्युतमिनी॥ नयचक्र मायु सार्गन वाधिसखा ग्यकमनि॥ विविधं मदायानमनसुतुकि॥ नीवानकिं
 रमिमन विविनयनि॥ सुसाहिकद ४ वमन विविनयनि॥
 ॥ उर्वमवसवनीव सवसवनीवतु लाविद्यकी वगसी ला
 लामविवतु र्हुगा॥ अत्र काजी किं न लनसद आनी पमिवस
 नीदसुन॥ नयसमन कार्त्तव्य धर्म संधारियुसन्नका उधर्म मविदिहाली का ४ आनि संधारिका ४ नीवान विनिका सवागमान

विद्याप्राप्तये ॥ ॥ रगवानरु ॥ ॥ इत्तुल्यकृतयुगलवर्षे उरुमी महाविद्या नरु मयगना जानकि ॥ यागववाधिसुत ॥
अथ सर्वनाथ ॥ तनविक्रुह्मिरुगवममठदवाच ॥ यद्
तपुयाय उरुलि महाविद्या सा अथ सा किनसुतस्य वा
जानरु वसुमा रु जाननी ॥ अथ सर्वनवतनविक्रु
रुसिमाहाविद्या जानरु ॥ रगवानरु ॥ ॥ नकथि कुननकृतपुरुष उरुमी महाविद्या लाभिप्रवाइसासदा अपमया

१०

१०

या गमनथा गगान जानकि ॥ यागववाधिसुत ॥ अस्मी नकृतयुगलवर्षे उरुमी महाविद्या ला जाका सुत न सर्वनथा गगना ॥ वाद
सुकला सुषायाय ली रुमिना ॥ यागववाधिसुत ॥ अस्मी नकृतयुगलवर्षे उरुमी महाविद्या ला जाका सुत न सर्वनथा गगना ॥ वाद
सुखाय रियाय लि रुमिना ॥ अगम उरुनकसी जानरु
द्या सुननयनी उरु जायानियुका रुवकिरु ॥ नसा जायका
नि ॥ यनमानुत जायमावाधिसुत ॥ सन्निपतनि ॥ ववाया सनिना द्वा सुत रुवनि ॥ अन्यतवाधि न द्ववनी काया ॥ दवपुगास

नित्यगतिः। चत्वारः शुभमहालाज्जनवत्तलादि सात्तुकिः॥ सागत धनागलाज्जः॥ अनवतक मनागलाज्जः॥ नरुक्त मनाग
 लाज्जः॥ वा पुनः मनागलाज्जः॥ उक्तमपमाननका
 अनवतक मनागलाज्जः॥ नरुक्त मनाग
 साधुकात्तमनययक्तुनिः॥ साधुकात्तमनययक्तुनिः
 जात्यांयत्तसात्तमनागलाज्जः॥ नरुक्त मनागलाज्जः॥ नरुक्त मनागलाज्जः॥ नरुक्त मनागलाज्जः॥ नरुक्त मनागलाज्जः॥

वक्तुः कलाभाविद्यांयगनांवाक्यं॥ नरुक्त मनागलाज्जः॥ नरुक्त मनागलाज्जः॥ नरुक्त मनागलाज्जः॥ नरुक्त मनागलाज्जः॥ नरुक्त मनागलाज्जः॥

धिस्तुनिस्तवतु मरुतेका धाधिसुत्तरुता यदस नमाहुं धमोयुत्तरुता ॥ दात्रतादासिताता ॥ मृगयक्रिष्णाभारिग
 दस्तुदिरिभ्यं कुरुदेनायियस्यनि ॥ सुवनेवसुमास्तुति का धाधिसुत्तरुतिथ्यनि ॥ अनिजलामतनइ ४ वपीयतिप
 यागादिरिदिभ्यस्तुति ॥ अतिस्थायागानास्तुति ॥ ७ वत्तुत्तुत्तुतिमादाविद्याजयमानस्यसंशोधनारुवनि ॥ अ
 थस्तवनीवतलवोष्कली रगतवममनदवाचनु ॥ क थरगतनुतरुदंष्ट्रदुर्लीमादाविद्याया अतिस्थाया
 मनाचैत्रयस्यायाध्यानानांच अयंगीपन्निनयैत्रवा अन्तरुतायांच गमाकां वाहिनीर्वा वाह्यायदसं ॥ नमाहु

१२

१२

स्यर्वयवमनंलाभदयस्ययस्यसमनं ॥ धर्मगंडस्यच ॥ यतीयुल ॥ उन्मलनचैसमानस्ययचैगनिकस्य ॥ सभाय
 धीचै नालकानांकुसनाच ॥ समुत्पाननमरुता लचैरिथग्यानिगता नामोस्वादाधर्मा धायलियुलन ॥ मयह
 कानस्या ॥ अक्रयनिदस्यष्टुष्टमिरुगव नीरु मांयुत्तुलीमादाविद्यामनूपय छुटि ॥ चतुद्विपामफ
 ललपलपनानीर्या नयिर्दयदिरुगवतलीयमा नायाममपिरुजनसद्यिन ॥ नचककुलंमदियनभावि
 ननेसीकृयात् ॥ चमसमस्याद्यतुर्जकेयोद ॥ अमिरुअवतखनिकुयोर्दयीभरगतवनाकिममशेदंस

लीत्रस्य मागापि न लसुना रवादिनि ॥ गुरु लामिनि गुरु कथं ॥ अथ स नान सव निव लस विस्फली ६।
 मनेद वीचन ॥ स नाम्यदं कूलयुग नस्या ४४ उरु ली ममा विद्याय ३ काल हानय न मान लजाप माया शोक धा ७
 पलिरुमको न्यकानी न थागन कानि नीयु न सन सदुमा नी मयाय र्यप सिनानि ॥ नव नेषा कथा ठान नां ४।
 कामा न्या सद्या नाम पि शुचा ट दार लालु मीना मग थाग ना इदं न म्य कं वृद्धा विद्या ल लदा संय न ४ सूठा ना
 लाक विद नूरु ल ४ पूरु स द म सा न थी सा सा द वा ना न म नूया धां व वृद्धा र वा न न स प ल ना म या द मा विपु म्का ही

नद्या न न थाग ना नादं ना म म्य कं वृद्धा नारि दि नं मा कूलयुग ७ ॥ नव कल न क ल ना ना ध नी पु म्के ॥ गुरु कूलयुग
 युद्ध न मा ना म ली क धा ७ सुग युद्ध रु म ना म स थाग ना इदं म्य कं वृद्धा विनि धिय न या प य नि ॥ स नू मा य उरु
 ली मा दा वि द्या म यूजा न न ॥ स म्य कूलयुग न लालु म स्या न थाग न स्या लि का य का ना रु य न पुद्धा न म्म स्या न थाग न स्या
 वृद्ध रुग न ना प संका न ४ उय सु क मा रु व व न ४ पा द ॥ सिल सारि विदि लाय ल लालु ॥ पा रु लि र लाल रु य म दं रु ग
 ह र व उरु लि म्का वि द्या ला ना य स्या ना म म नू स ल न मा ७ न स व पा प नी रू य ना वा धि म्द ल लो पु ति ल रु न ॥ य ना

धनादिकि सा नैकानी लाक धनु मा ॐ देवा गत्वा या यश भारु वतु ॥ ददायुष्मन्मरुतमरुतमग्न ४ ६ मी ख उ रु नी महाविद्या
 अनुनासुसंसाव ह्यनि ॥ न दथापि नाम कूलयुग सुकन मयापमानुव ४ म मायमान मरुतु दि ५ न उ कूलयुग मया स ॥ ५
 क न म उ रु लि म रु विद्या या ॥ उ क रु य स प न्य रु च ग न यु उं ॥ स रु म या कूलयुग वातु का स म उ स न रु क वा ल
 का म व रि उ न रु कूलयुग व उ रु विद्या या न क जा य स स प न्य रु च रु द य उं ॥ द द था पि ना म कूलयुग क थि
 द व प ल धा रु व न ॥ स रु रु य रु थि रु ज न स रु रु क र्था रु ॥ पू व न पं च र्थि रु न स न नि स नि स रु रु ४ प ती पू र्ण क र्था रु ॥ य

स ते रु स वि व ल स वि द्य न ॥ न रु य ल र्थे द्वा रु य य रु ॥ न रु ल म स न स क ल स ट स रि का क स ४ न क गि त रु लं व दि
 ४ य रु रि प न व न न य थि य न स रु रु स म लं य नि स न र्थी रु यं य या द न रु रु ४ न रु कूलयुग व रु रु लि म रु
 वि द्या या न क उ प स स रु न य रु थि रु च ग व रि उ धा न म नं य य रु नी ॥ न नी स रु नि नि द्या द नि ॥ न रु व रु रु वि
 य रु ल क पा न रु रु स रु रु ल स रु रु म रु रु ४ वि न क ल रु ४ रु रि ग रु रु दि रु रि रु नि रु रु ल म रु रु स रु रु रु रु रु रु

रिगददिलमदयित्वा मरुति लासी निष्ठा दयनि ॥ सक्ति नमसा कलपूत नृक कानि सवय रु लानि गनयि रं ॥ नउ कप्रय
 यम नमया वउरु दिमादा विद्या ॥ यो नृक जाय सपू धास्व नृगनयि रं ॥ दद थपि नाम कलपूत नृमा मरुति द्या इ यदी
 यपु वरुनी ॥ नो नो दिवार्य नेय थसि नग गं गाय मना सिधु वरु सगद रं दला नान सावे नि शुभा गधादि मवनि
 कल सीय सि नृक क नदिय रं २ सरु सुय गी वा ग गदि वामरु स मरुद य वरु नि ॥ नृव मव कलपूत वउरु दिमा
 हा विद्या या नृक ऊय सपू नरु नृय नि गवनि ॥ नरु सी मादा नदि ना रं क नमया नृक क विद्वद्व ॥ यि रं ॥ नउ कलपूत स रं

मया वउरु रिम हा विद्या या नृक जाय सपू धास्व नृगनयि रं ॥ नृय थपि नाम कलपूत नृव दिवा तउ व्याद कजा नि ना रं नद रं
 मरुति ॥ वरु नि ना रं स्वा नरं मृ क रं गनय वरु था ॥ सी द्या द्यु रं त रं ग रं कट रं स क रं क गदि रि ४ मरुथी क मा डी
 लादि रि ४ नृक मया मरु रं नृक क लाम विव लानि ग नयि रं ॥ नउ कलपूत वउरु दिमा हा विद्या या ४ मरु रं य क जाय
 सपू नृय नृगनयि रं ॥ नृय थपि नाम कलपूत व आ क सा नाम पु व न ला जा ॥ नन न व नि जा न नरु मा क रू य न ॥ र
 उल सि नि जा न नरु मा ध रं रं स व जा क स प व ना रं ४ नृक नृक पा रं व रं सि नि जा न नरु मा नी म स प व न ना जा स पा रं

अक्षालामरकचिन्न ४ यत्तु खो रुव न ४ स क त्या सा धि क्का क स्य न क यार्त्त का सी क व क्क हा प सी मा ज प ह् ॥ ७ वं क्क ल्का न स्य प रि
 द्रु यं य ज्जा दा व क्क व नान उ व द क्क दि मा द्वा वि द्वा या न क्क ज्जा य स र्द क्क न य्वा क्क न्ने ग न यि र्त्त ॥ ७ दं थ पि ना म क्क ल य्वा ७५
 द्वा म्म द्वा व उ सि नि ज्जा न स द्वा वि ग्ग णी ग्ग णी य धि न्ने म य व य्वा ल न ४ व उ वा म्म ख य र्त्त न ४ स र्द क्क न म य स न ग्ग रि
 ना य्वा य म्म क्क द्वा न क्क क वि द्वा ग्ग यि र्त्त ॥ न क्क क य्वा वि ग्ग न यि र्त्त ॥ ७ व उ वा म्म ख य र्त्त न ४ स र्द क्क न म य स न ग्ग रि
 य द्वा थ पि ना म क्क ल य्वा स र्द क्क न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि

द्वा म्म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि
 यि र्त्त ॥ ७ दं थ पि ना म क्क ल य्वा स र्द क्क न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि
 रु व य ४ य न य्वा य धि स त्वा य्वा क्क न्ने न ४ व उ रु ति क्क प र्त्त द र्द स र्द क्क न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि
 द्वा द स मा सि क्क त स र्द स र्द ॥ अ धि क मा सि क्क द्वा य्वा द स मा सि क्क त स र्द स र्द ॥ अ धि क मा सि क्क द्वा य्वा द स मा सि क्क त स र्द स र्द
 म्म ग्ग दि व य्वा य धि स त्वा य्वा क्क न्ने न ४ व उ रु ति क्क प र्त्त द र्द स र्द क्क न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि न म य स न ग्ग रि

जायस्ययस्यस्यवगनयितुं॥उर्वकृतपूवकिंवदूलायतयाममसदृसासाथगनकाटिउरुसमनेधनयन॥दिशकस
 त्यविवसीयिह्योगसयनासनग्ननयस्ययनरु
 नथगना४सकृतनि॥यउरुलिमादाविद्याया
 मि॥जुविह्याध्यानयदसुसमूथाननार्ह॥कृत
 लमिहृदययाफमस्तलकिर्न४लस्यवाधिसस्तस्यमहागलस्यकृतपूवस्यमिशीन४उवमवकृतपूवउरु

११

६५

रिमादाविद्याउपायकासत्यनामदुमयिकृतपूवनेकलीकधउकानिनीयुगमनसदृसानीयलीरुमकागताचमिना
 रुमनथगनस्यपूवग४सजलीरुमस्यधर्मवैहानागुधि
 टपस्यस्य॥ननमयाशरिदिगसतकृतपूव॥यउरुनी
 ४००मिस्रगनयथास्यउ४यानीयमधुवन॥उर्वरुगव
 न४यपूपासीगानी॥मयाजून्यनिनधगनकानिनीयुगसदृसानीनकस्यविटसकाभाभनया॥यउरुलीमादाविद्याला

जालया। मथादिनीं रगवनगलारुव॥ सलवीय लायनविकलदियस्यवक्ररुगारुवश्यनसमाहमपदसकारुव॥ सु
 यूगापदग्यनाच्छरुगारुव॥ उरुमहायर्थसानविकरुवधर्मयलीरुषिगस्य अर्नगधर्मदसकारुव॥ सुयनिविन १६
 ॥ वटनस्यवउवचरुगारुव॥ अमिगारुसुधकागारुमसा कदुद४ अतलाकिनेवतस्यवोधि सलस्यमहास्यकलावः
 कलरुदधलनीयावनालाचयनि॥ यस्यकूलयूगपयक्रांरुमा नामनथागनासम्यक्युधोषउरुलीमहाविद्याया४का
 ला। एनअन्यकलाकधुकाकिनीयुनसमसदसानीयलीरुमिगवनीददधकूलयूगषउरुलीमहाविद्यालाजाग

अगमरुवववलीरुमनि॥ अथावलाकिनेवला लावाधिसलामसलस्यरुगवर्तममनदवाचन॥ अदसमसु
 लनगानवारुमवकथयक्रांमडामनूगक्राकि॥ कथंमनिधतमडामजाना॥ कथंमवलाकेछाचमवि
 योमजाना॥ मसुलपलिगुदिकथजाना॥ मसु
 धामसुलसाः मिनाललिखना॥ नूयनिलवपयक्र
 वरुनूयवृनी॥ अमिगारुवस्यकाउमकाउरिगेथा नी॥ दक्षिनयासमसामनीधलवोधिसलोकनयो॥ वाम

पाह्यदरुलीमाहाविश्वकल्याण॥ वरुणमलकाधुनातवर्कानानातविरुषिगमलीरावामदरुयः यद्वमायली
 मनीकंरुवा॥ दक्षिणरुर्गुरुगुणमालाकरुवा॥ दक्षि
 माहाविश्वाराध्यादनलमलविद्याधरकरुवा॥ दक्षि
 धालकालयलीयुक्तियनकंकरुवा॥ नमामस्तुभलस्य
 लहादिना॥ नमस्तुभलस्यः वरुणाहावलापोक्तकुरुनीः नानानामनिलसंचितकरुवा॥ यश्चकश्चिक्लपुत्रा

१२

१२

वाकलद्रुदिगावायदिद्रुक्कनिमलुलपुत्रवृक्षनमवर्गवचलमरुविकावाधिसत्वरुवनि॥ सर्वमानकदूधवियुदि
 क्षमश्चिपवानरुर्गोसम्यक्वाधिमरुसवृक्षानागना
 दानवा॥ अथवानावाधिसत्तामनदवावनायदिकुल
 चूर्णचुलोदस्यः पितृरुपयस्यवाकलद्रुदिउवा नमीन्विद्य
 नापयानानागवायदिकुलपुत्रुदयिनसविद्युर्ग॥ दसानकलगंस्वनयदयुनामजवायिहमानसिकंरुवकंमलु

लकलयां ॥ आचार्यममदा लकला नयदमं सिनयानि ॥ अथय आरुम रुथा गनीरुसं मा कवद ४ अथलाकि नवला वा
धिसुत्तमदा मच भेटदवासेन ॥ दद न्वमक लपुगव ५ कलिमादाविद्यालार्थनादे मनकसत्ता कादिनिनोरि ६०
न सटसदमानोरीसा लीकद ४ खात्यलिमावयिर्यर्यिया
लावाधिसुत्ता ४ य आगसगथा गनसा र्द नसं मय वृद्धः
नोपुम के ॥ (६०६) ॥ ॥ यमिमुकाल ००० म उरुती मदाविद्या मनपुद ४ गदातला लामदाद्विया ४ मदव

६०

६

नययना ॥ कदलिय ००० वं सवलीना ४ द्रु स न्वला लीमदा ममदामुक्ता ४ सवविद्यविनायका ४ यय लायनि ॥ यरुला
माका ४ मासाकालमा नृम ६ सादिना ४ अथय आरुम
यावलाविन ४ ला सत्ता सायाधिसुत्ता यमदास
मिमी नारु सगथा गनसा र्द न ४ सं मा क वृद्ध सायना
वृद्धसायनामिर्मा ॥ अथय आरुम ससं पुना गथा गनाद स मक् वृद्ध ४ माख उरुती मादाविद्या ४ दला यनयनारु मा

[illegible]

धिया॥ ध्या॥ नो॥ लं॥ को॥ लं॥ ॥ धि॥ ४॥ ल॥ ग॥ द॥ स॥ मा॥ द॥ य॥ लि॥ भा॥ रू॥ नो॥ नाम॥ स॥ मा॥ धि॥ ४॥ न॥ न॥ क॥ न॥ ल॥ नो॥ नाम॥ स॥ मा॥ धि॥ ४॥ व॥ द्या॥ ल॥ मी॥ न॥
नी॥ द॥ शा॥ नाम॥ स॥ मा॥ धि॥ ४॥ स॥ व॥ ट॥ थ॥ न॥ न॥ व॥ त॥ लो॥ क॥ नाम॥ स॥ मा॥ धि॥ ४॥ स॥ र्व॥ द॥ द॥ रू॥ स॥ न॥ द॥ स॥ नो॥ नाम॥ स॥ मा॥ धि॥ ४॥ स॥ व॥ न॥ थ॥ न॥ ग॥ य॥ ६२
व॥ लो॥ क॥ नो॥ नाम॥ स॥ मा॥ धि॥ ४॥ स॥ प॥ नि॥ वि॥ ना॥ य॥ न॥ नो॥ नाम॥ स॥ मा॥ धि॥ ४॥ उ॥ व॥ क॥ ल॥ य॥ य॥ म॥ स॥ य॥ न॥ श॥ रू॥ ल॥ स॥ मा॥ मि॥ य॥ नि॥
ल॥ रु॥ न॥ ॥ य॥ ०॥ मां॥ व॥ रु॥ ली॥ मा॥ हा॥ वि॥ द्या॥ ला॥ ऊं॥ धा॥ ल॥ य॥ नि॥ ॥ न॥ थ॥ स॥ व॥ लं॥ कि॥ मी॥ रु॥ ग॥ व॥ न॥ मी॥ न॥ द॥ वा॥ व॥ न॥ ॥ व॥ रु॥ न॥ दं॥ ग॥ मि॥ न॥
ध्या॥ मि॥ रु॥ ग॥ व॥ न॥ द॥ ॥ रु॥ यं॥ न॥ दं॥ ल॥ रु॥ म॥ रु॥ ली॥ मा॥ हा॥ वि॥ द्या॥ वा॥ रु॥ ग॥ वा॥ ना॥ द॥ ॥ अ॥ रि॥ क॥ य॥ य॥ वा॥ ना॥ ॥ ल॥ मा॥ म॥ द॥ न॥ न॥ यी॥ ध॥ र्म॥ रु॥

ल॥ का॥ य॥ ०॥ मां॥ व॥ रु॥ ली॥ मा॥ हा॥ वि॥ द्या॥ धा॥ ल॥ य॥ नि॥ ॥ वा॥ वा॥ व॥ य॥ नि॥ ॥ या॥ नि॥ स॥ म॥ न॥ सि॥ क॥ ल॥ न॥ ॥ आ॥ हा॥ ग॥ मि॥ वा॥ दं॥ रु॥ ग॥ व॥
न्या॥ वा॥ ल॥ मि॥ म॥ द॥ न॥ ग॥ ति॥ ॥ त॥ स्या॥ द॥ र्म॥ रु॥ न॥ क॥ स्या॥ द॥ स॥ ना॥ य॥ व॥ द॥ ना॥ य॥ य॥ र्म॥ या॥ स॥ ना॥ य॥ ॥ ॥ रु॥ ग॥ वा॥ ना॥ द॥ ॥ ॥ सा॥ दू॥ र॥ क॥
ल॥ य॥ न॥ व॥ द॥ ल॥ रु॥ क॥ ध॥ र्म॥ रु॥ न॥ का॥ य॥ ०॥ मां॥ व॥ रु॥ ली॥ मा॥ हा॥ वि॥ द्या॥ धा॥ ल॥ य॥ नि॥ ॥ स॥ ध॥ र्म॥ रु॥ न॥ क॥ स्या॥ द॥ स॥ ना॥ य॥ व॥ द॥
न॥ य॥ वा॥ ज॥ रु॥ म॥ य॥ न॥ नि॥ र्थ॥ ०॥ व॥ द॥ द॥ य॥ वा॥ य॥ व॥ धि॥ कि॥ र्त्तं॥ ०॥ व॥ द॥ द॥ य॥ वा॥ न॥ वि॥ न॥ थ॥ वा॥ दि॥ व॥ द॥ द॥ य॥ वा॥ रु॥ ग॥ वा॥ दि॥ व॥ द॥ द॥ य॥
४॥ ल॥ ल॥ ता॥ सि॥ ली॥ व॥ द॥ द॥ य॥ ४॥ व॥ रु॥ सि॥ ना॥ मि॥ ली॥ व॥ द॥ द॥ य॥ ४॥ ज॥ ग॥ द॥ रु॥ ल॥ ल॥ न॥ ०॥ व॥ द॥ ०॥ द॥ य॥ वा॥ न॥ च॥ क॥ ल॥ य॥ ल॥ य॥ न॥

五

ऊनरुणाशीपसर्वसन्ध्यारुनयुष्टानिश्नतकासादुर्मदमनादवनागजकृगन्धयाभुलगतुंकिनलामक्षालगम
मनूयाःसर्वनसनीयननी॥नवधर्मभूमिकासमदा
त्ययसंसासवन्धननवद्धाष्टपुन्यवनकसुसत्तार्यस्मीन्वा
गुदं दसनमा उवसभयापानीरुलसि॥याथकाधमिव
दहसी॥जाननववकथागगनाश्रुंलुहसंमार्कवृद्धाश्चनवत्रनीकानीवाधिसत्त्वकीनिनीयूटसनसद्गुनीनव

वृत्ताक्रमेण उपसंक्रमन्ति ॥ अत्र विष्णुर्महेश्वर उदिश्यात्वायुध नृणां वायाम् ॥ अथ धर्मलाभा अथ वयस्य लोमादाया
 न ४ अथ सद्धर्म एतन्मो नदावाच ॥ मां सखं कृत्य
 सालस्य नीमिरुकाष्टयुजमलुलस्य उपादिका ॥ अथ क
 नद्वयनभादेन सलिया ॥ यथा कावृन्दस्य ३ सुत ६
 त्रिद्यालका कार्यं गगानतनस्य कायवलाग्य नद्वयनभादेन सलीया ॥ अथ सवधीवलनवीकम्ही मारुपादवली

अदि उदयवाच ॥ विष्णु सखि यसावृत्त रूनीरुवा ॥ सस्य कृवाधिविजं विपुदिनस्य वाधिविजं ददधर्म ६ म
 वकास्यं ४ ददस्य निविनतया ली कार्यपली ७
 ना ४ कथयति ॥ वाकमा लापर्युतवक ६ दद
 लास्य कृवाधिमरिर्दध्वयं ॥ द्वादसा कार ७
 मा वधयं ॥ अमुनपती न्नेमाशवधयं ॥ अत्रुत्तुलिमादाविद्यालालार्थलासारवयं ॥ ददस्य माषउत्तुलीमादाविद्या

卷之三

This image shows a blank, aged, yellowish page, likely an endpaper or flyleaf of a book. The paper has a textured appearance with some dark spots and a small tear near the top center. There is no text or other markings on the page.

छुपावसयनासयग्रानयरायरेषद्वपतीस्कारे॥ सदायस्त्रनेलयस्त्रीनारुवनि॥ अथसवनीवलनविष्कलीनचर्म
 रानकमनदवायन॥ ददस्त्रमायउरुलीमहाविद्या॥ अथसद्वर्मरानक॥ सचिह्नाइविल्यायवस्त्रन॥ स्यात्राका
 ममद्यानिव्यलनि॥ ददस्त्रमार्यषउरुलिमहालाजान
 यननिर्गन॥ यूनसपिआकाससद्यानीव्यलनि॥ दद
 द्रकलारियूक॥ अथसद्वर्मरानआकासवावलाकयवि॥ यावनास्यदि॥ सतकाछुअलवल्हिसितसिद्धनैष्टुर

५५
 ५६

यक्षदुक्तयक्षिणालक्ष्मिर्ननगानसलपट्टहार्सेवनीवलनविष्कलीनवाधिसखनमेनदवायन॥ अनरुगसंयक
 लयनृश्रवलाकिर्नस्यदीनवाधिसखनमरामस्त्रनवल
 रुलीमहाविद्यालागिनेनससंगमेनगंडलीयुर्ननरुल
 ॥ धर॥ अथवसमनेनकलदरुमागार्यषदीकालंपथा
 वरनविष्कलीनापुनिलर्थ॥ सुद्रुवनानामसमाधि॥ भाद्रपदसन्तानासुसमाधि॥ सुवरीककलानामस
 मागिकननामदिगानामसमाधि॥ याग्रयागानामसमाधि॥
 विष्कलीना॥ नमवमाधय॥ सुवनी॥
 यवसववन्धयनीनामसमाधि॥

लकाधालही॥ नमो लामविवरादवनिरुजयलनमलामविवल ४ गण ४ नकाती वाधिसल कानिनीयुतसद
 आनीयनिवसल॥ नमिः सूर्ययलनमलामविवल द्वादस सदुजानी कनकमयानीयवर्णनायववगद्वादस ४८ २०
 दसनानी हयैव यवानीयमलालायविगानीयार्थयार्थ दिवमनी तलमयान्क उद्यानाती यलमशारुनानिनि
 विगानी सुलमनीयानीयदिवायु किलीनीतकुंगानी अनक कनकगंगलसद सदुजानी दिवायु वरुतलमयानी ॥
 मूकपददामकलाययुविगानी मूकालसगसदमुयलसिगानी गेयाकनगंगलानां मध्यालदा नामविगानी ल

लोदितनिर्यमहाधनामलामविवल ॥ सुगनकातियधमविरुयादगकाती ॥ वाधिसल कानिनीयुतसद सदुजानीय
 निवसल॥ नमो नकलयु लामविवलनवेली ॥ सदुजा दीयवगानाक विद्वजमयानि कविदुयमयानी कविष्ठुव
 रूमयानी ॥ कविदिदुनी तमयानी ॥ कवितयनसगम यानि ॥ कविमलकमयानि ॥ कविनसुटि कमयानी ॥ कवि
 रुमयानी ॥ दसानियवर्णलजानि ॥ नकेकयवर्णनसि नि ४ सदुजानी विविधतलायलनानी ॥ यलमशारुनीयि
 गानिमनी लमहियानि ॥ गेयगदसगत्रयाधियुवसनि ॥ यसगनकालं लामविवलनी नादिस उयद्वादयनी ॥ ययधमसि

आदिका वाधिसत्वा रुसुना गनी मिरुति गयनि ॥ अक्षो ३ ४ यउला मनन ३ ४ यसत ६ ४ ४ यंयुन न गला यय नाना सल मा ३ ४
 य ॥ ७ ५ ६ काय सव गमन विवि ॥ नयन यय कमा ल ॥ ३ ४ कायं यनि धारा नि मूर्यं सु नि मय ह्यपन मय पुर्व ना ला ऊ य
 विरुसनि ॥ मय कल यय गाय निर्य विरुता जाना मलोम विवल न गान काने यय के वृ द्ध का नि नी य ४ स न स ह मा नी पु नि व
 सलि ॥ य कल न ग य न वि धा न न व य ग न वि धा न न पु नि दार्या नि कू व र्णि ॥ न सी ना म वि व र्ण स न स ह मा नी य र्ध न ग
 जानी ॥ न स व य व न ग जाना ॥ स फ र त न म या नी न रू प व न अ ऊ य वि वि धा नी ४ क ल य वि को णि सा व रू द धु नि ल य य गानि ॥

२९

२९

ल ४ य उ न र य वा धि सत्वा नां स वा य क ल ४ ल य रु क लो नि ॥ ४ दा न वा धि सत्वा रु क ना म स य पु वि भ नि पु वि स म उ रु ली
 मा रु वि द्या म नू स ल नि ॥ य दाम नू स ल नि ४ दा न नी वा धा रु मि म नू ग रु नि ॥ न ग न वान रु मि या फा रु था न गान य
 स लि ॥ न व ल ता कि न ध ल वा धि स र्ण म रु स ल य स लि ४ द्वा व र य वि र्णि पु मा द ऊ न य नि ॥ ऊ न यि ला व द दा न वा
 धि सत्वा रु क नां गाल य नि कू ना नी य मि ला क वि च कु म य ग रु नि ॥ ग ला व व अ य य क मा रु द्वा च रु का य य वि धा
 यारि म र वि स नि म य म्वा य ७ ५ ६ सा रु क ल य य धी सत्वा ४ य न मि ला म वि व ल य नि व र्ण नि ॥ म य क ल य य नू व नि च य र्ण

दलाज्ञानामविबलसमस्तानि श्रवणं कथं धिस्तु कति नीयु न सट सट साक्षियनिवर्त्तनी ॥ नमीनी बुला
 ज्ञानामविबलसमस्तानि श्रवणं कथं धिस्तु कति नीयु न सट सट साक्षियनिवर्त्तनी ॥ नमीनी बुला
 भी नामविनामनि रत्ना ॥ यदा श्रवणं धिस्तु कति नीयु न सट सट साक्षियनिवर्त्तनी ॥ नमीनी बुला
 यद्वेगसा श्रवणं विदुर्लकि ॥ नवर्गं ज्ञानं गणनं समिन्नाय
 साक्षि ॥ श्रवणं विदुर्लकि ॥ नवर्गं ज्ञानं गणनं समिन्नाय

२२

नृणां कलत्रं सनमस्तु श्रवणं विना निविना निविना निविना ॥ भीती कलत्रं सनमस्तु श्रवणं विना निविना निविना
 यलविना नी नृणां कलत्रं सनमस्तु श्रवणं विना निविना निविना ॥ भीती कलत्रं सनमस्तु श्रवणं विना निविना निविना
 विदुर्लकि ॥ नवर्गं ज्ञानं गणनं समिन्नाय ॥ भीती कलत्रं सनमस्तु श्रवणं विना निविना निविना
 कलत्रं सनमस्तु श्रवणं विना निविना निविना ॥ भीती कलत्रं सनमस्तु श्रवणं विना निविना निविना
 लोमविबलसमस्तानि श्रवणं कथं धिस्तु कति नीयु न सट सट साक्षियनिवर्त्तनी ॥ नमीनी बुला

लोमतिवसः शसिनिष्वनसहसानी श्रवतः ॥ योपि धनी सत्तपसी यद्विगानीमनी लुप्तनियानी विविगानी नष्टपक्षमाउपः श्रुत
 काती कचापी शनीसहसहसानी ॥ श्रुतकाती चयनाः ६७ लुप्तसहसहसानी ॥ श्रुतकाती चयिदुःखमश्रुतमनसहस
 नी ॥ नस्मिष्ठलामतिवसः वज्रमया रमिष्ठमी चेतसामति वरनवन वनिकुणा गारुगनसहसानी विद्यातुने शुवर्क
 मयानी मृकापटकलापुनसि नानी वृतामालपुनसि नानी च दुका नितलरायिनी ॥ ८८ ॥ वृकनगा गालमृ सोवर्क लया
 मयानीः शायानानितुतयै लो यद्विगानीः विगानी तमधि यानी गखूकना गारुगन यो गनविद्युद्विषयैर्गर्जद्विषयकानामनूया

१३

१३

लामरिखा धर्मदसयानि ॥ यद्रगवद्रा लमीना नीद्वसन्निदी सनि ॥ दातया नमीननीद्वसनि दिर्लुकि ॥ सोनयसमिगनी दसनिदी
 सनि ॥ शानियामिग निदसनी दिदसनि ॥ विरय्या लमीना नीदस नीदिसनि ॥ धानया नमीना नीदसनि दिदसनि ॥ युरूपामिना
 नीदसनि दिदसनि ॥ उव नविदिध्वनर्मदसना ॥ उवद्विषयकानाम विद्या धर्मकान काल चर्मदसयानी ॥ शुवर्क लयुन वला
 किन वला योपि सत्तपसमहसहसानी ॥ लोमतिवस लियवत्य सनि ॥ नस्मिष्ठवज्र वनवन विदालुद्वर्गयैर्गर्ज धवा
 ल लुकि न लमीना गामनू यामनू यानी मृदु वल लालायन पुमृवायु वगमानिद्वययुगानी मनी पलिगानी श्रु

अथा नीच ३ वाधिसन्त का नि नीयूट सन सद् अनी सनी पत्ति ना नी अथ सव नी वल न विष्की म्कि रु ग र्क म्पट द वा च न ॥
 किरु ग व ६ ॥ अनी लो म वि व ल नी स वि द्य न ॥ रु ग व न द ॥ ॥ ग ४ क ल य र्ग अ नि क स्य अ वे सा कि न ४ व ल स वा धि स
 ल स मा दा स ल स द द्धि ष या दा गु च न न वे लो रा म दा स ॥ म दा य सि उ ये नि ॥ न स ज न लो व ग द य दा द कि न पा व
 दा गु वा उ द द क नि सु म मि ति ॥ न दा वं उ वा म्प य म नि ॥ न दा रु र्म ला सि म नू ग द्धि नि ॥ न व म क ल य र्ग व ल कि न ४ व
 ल स वा धि स ल स म दा स लो स्य अ धि स न स वि द्य न ॥ अथ सव नी वल न विष्की म्कि रु ग व न स्य ग द वा च न ॥ न द पि रु ग व न

२४

२४

लाम वि व ल स वि द्य न ॥ ॥ रु ग व न द ॥ ॥ ट द पि क ल य र्ग न स वि द्य न ॥ अथ सव नी वल न विष्की म्कि रु ग व न म मे न द वा च न ॥
 ना ग द्धि नि रु ग व न व ल कि न स लो म दा स ल ४ रु ग व न द ॥ ॥ अ ग द्धि य व ल कि न स लो वा धि स ल म दा स ल अ मि ने व
 उ न व न वि दा म म द स ना य यू पा स ना य ॥ म द स ल स द व प र स्य म दा या ला क ध ना स द नी वा क ल न मू द स ना य ॥ अ व ल
 कि न ४ व ल न वा धि स ल न मा दा स न न व र्म य उ न्द स नी ल पि लो दि ना व दा न मा जि ष्ठ रु टि क ल रु ग व ल नी न व ल स
 या उ न व न वि दा ल मा ग द्धि नि ॥ अ ग न व रु ग व न क्ति य द कि ली क ल य र्ग न व रु ग व न म दा वि दा ल नी क म्प अ वि यो म दा न ल

श्री २

के गच्छति ॥ गच्छति गच्छति ॥ विद्यमानस्तत्कालिनि रावमनूकत्वेन ॥ अथ सर्वतो वस्तुन विद्यमाने रगवमनूकत्वेन वाचन ॥ वृत्ता
 रगवमनूकत्वेन ॥ गच्छति ॥ वृत्ता गच्छति ॥ रगवमनूकत्वेन ॥ ॥ अथ सर्वतो वस्तुन विद्यमाने रगवमनूकत्वेन वाचन ॥ वृत्ता
 धनी लम्प्या उरुस्थानी न नाभेन ऊरुवन विद्यमान गच्छति ॥ अ
 गच्छति ॥ गच्छति विविमलस्तत्कालिनि रावमनूकत्वेन ॥ अस्मिन्
 नीकव्यवस्थानो यद्वा रगवमनूकत्वेन विद्यमाने ॥ अस्मिन् ऊरुवन विद्यमाने रगवमनूकत्वेन वाचन ॥ वृत्ता

५३

५५

श्री २
५३

ऊरुवन विद्यमाने रगवमनूकत्वेन वाचन ॥ वृत्ता
 ४ सुखावती लोकधर्ममयन ऊरुवन विद्यमाने रगवमनूकत्वेन वाचन ॥ वृत्ता
 लयविष्ट ४ मकार गवना कलविकल्पेन रगवमनूकत्वेन वाचन ॥ वृत्ता
 लयलयाकः ॥ अथ सर्वतो वस्तुन विद्यमाने रगवमनूकत्वेन वाचन ॥ वृत्ता
 यादिना ॥ अथ रगवमनूकत्वेन वाचन ॥ वृत्ता

५५

लरुगवनाय द्या न्ययनामयानि सा ॥ ७ ॥ मानि यद्वानी रगवतमिना ननगथा गदयदितानी ॥ यच्छुल्लस्य वाध वैश्या नक्षत्रावलय ह
 धननाचा ॥ सुखस्य संविदा तनां च ॥ न गौरुगवना ठठठ गवना पा ॥ ४ ॥ सुखपिमानि ॥ अथमदुष्टादवपूनी ॥ यत्ररुगवास्त्री नीपस
 काक ४ उपसंयुक्त रगवना ४ पादो सील सा लसाखिवय रगवना ॥ ५ ॥ मटदवाचन ॥ सरुदुरुगव वा कल दा गला दसी ॥
 रगवाना द ॥ ॥ गच्छ कलपूत्र अतसाकिने ४ ॥ सा स्या वाधिसल ॥ ६ ॥ सुमदासस्त्री स्या कल दा यदा स्यानि ॥ अथमदुष्टादवपू
 गी गलाव साकिने सलस्य वाधिसस्त्री स्या मुदास स्या पादयानियेन सा गवधनं ककुमा त ४ ॥ नभी ३ सवसाकिने सलाया मद स

१३

१५

प्राय ॥ यदधला ॥ यदनालाय ॥ यदधियाय ॥ गुरुयदधलाय ॥ यदधियाय ॥ पतिवनाय ॥ जगदा सासन कलाय ॥ पृथीवि वल साच
 नकलाय ॥ यदधन कलाय ॥ ७ ॥ मदुष्टादवपूनी अतसाकि
 फिलवन वावहिग ४ ॥ अतसाकिने ४ ॥ सा स्या वाधिसल मदा
 मिने ४ ॥ अथमदुष्टादवपूनी उटदवाचन ॥ ददस्त्री मया कलन
 सलसु मटदवाचन ॥ रवि यमिलं कलपूतिवनाया सा कधानी रस तातामन धा गनाद स्या संप्रदाति अद्या चरनस म् च ४ ॥ गनी ॥

न ४ ॥ सा स्या वाधिसल मदासनी स्या सागति धन कलाय
 सत्या उटदवाचन ॥ किं कालनं स कलपूनी मदासावनयव
 मनरु सयां स म् सवाधी ॥ अथवसाकिने ४ ॥ सा स्या वाधिसल मदा

ला क विद नरु स ४ य लख द म सा स थो ४ सा सा द मो त र म नू षा ना य वू दो रु वा न ॥ अथ सा उ मा दि वि उप स का स्य व सा कि न ग्य
 त ह्य वा शि म ल स म दा स ल स ॥ पा दो ही र सा व दि स्था ॥ व सी
 मा ल य ४ ॥ न भी स म व लो वि न ग्य गाय म ह् च गाय ॥ पा ष न्
 सी या य ॥ य ति नी ति गाय ॥ नौ वा न र मि स य ह् च गाय ॥ सू र्य न
 अ व सा कि न ग्य सा ही मा हा स ल क क ल नो या चि रु मा न र्थ ४ व सी भी व य म ग रु वा रु गु ष्म नी या व क सी म र प सी पू नो ग र वा स ४

२७

२७

स र्यो क चि वि ग र व र ॥ न च स र्ग रा न के क म रु त ग षी र ॥ न ल व सा कि न ग्य सा स वा शि स ल स म दा स ल स स र्ग न प ल
 न र ल र्ग न यि रु ॥ ट द्य धा पि ना म स व नी व ल न वि ष म्नी
 क र द्वा धी व ल पि द पा न स य ना आ स न ग न य ल य र र व ह
 य ४ य र्ग न र्ग न थ ग ना नो म य थ न न य न्वा प ल्वा क न व न
 स लो नू न क ४ स मा धि स र्ग ४ स म ल ग न ४ ट द्य धा प र्ग ज्ञा ना ना म स मा धि ४ वि रु य न क र्ग ना म स मा धि ॥ आ रू य न क र्ग ना म

माधि॥ विद्या लोचना नाम समाधि॥ क्रिमि हानम समाधि॥ महामनस्वी नाम समाधि॥ त्रकालकालकाला नाम समाधि॥
 वज्रमाला नाम समाधि॥ वल्लोका नाम समाधि॥ सटवि
 खाना नाम समाधि॥ द्वयलिहा धनो नाम समाधि॥ वल्लव
 धर्मरिमुखाना नाम समाधि॥ यजकृष्णि नाम समाधि॥ शुक्र
 कलस्मितीया दकाना नाम समाधि॥ योगकाला नाम समाधि॥ ऊर्ध्वद्विपवत् लोचना नाम समाधि॥ वृद्धजगत् लोचना

म समाधि॥ र्मगारिमुखाना नाम समाधि॥ अमायनिनी वासिनी नाम समाधि॥ सुदानी नाम समाधि॥ अक्रुनाकाला नाम
 समाधि॥ अविहीसहायनी नाम समाधि॥ सागसगारि
 गावालाकिर्ग्वलोवाधिसुखामहासखा॥ समाधि॥
 क्रुक्रुथानामनथागनादं सुखैवद्वोलाकउत्यादिविद्या
 सालथी॥ सास्त्रादयानाचमनूथानाचवृद्धा रगवान्॥ गनकालनसमयनाहूदानसुखाना नाम समाधि॥ सुखारुगवत् नटदान

स्युत्थमगमस्ययुत्तमं ॥ दसमवलाकिर्न ॥ ४५ ॥ लाकिर्न ॥ ४६ ॥ लास्युत्थमगमस्ययुत्तमं ॥
माधिविगुहमयाकृष्टं ॥ यदासमनरुडावाधिसत्त्वोमहा ॥ सत्त्वोवर्जकसनामसमाधि ॥ ४७ ॥ दावलाकिर्न ॥ ४८ ॥ लावाधि
सत्त्वोमहासत्त्वोविकिरननामसमाधिसमायदोय ॥ दसमनरुडावाधिसत्त्वोमहासत्त्वोवर्जकसनामसमाधि
समाधिसमायदो ॥ ४९ ॥ दावलाकिर्न ॥ ४९ ॥ लावाधिसत्त्वोमहासत्त्वोवर्जकसनामसमाधिसमायदो ॥ यनासम
नरुडावाधिसत्त्वोमहासत्त्वोविकिरननामसमाधिसमायदो ॥ ५० ॥ दावलाकिर्न ॥ ५० ॥ लावाधिसत्त्वोमहासत्त्वोवर्जकसनामसमाधि

५५

नामसमाधिसमायदो ॥ यदासमनरुडावाधिसत्त्वोमहासत्त्वोवर्जकसनामसमाधिसमायदो ॥ ५१ ॥ दावलाकिर्न ॥ ५१ ॥ लावाधि
धिसत्त्वोमहासत्त्वोवर्जकसनामसमाधिसमायदो ॥ ५२ ॥ दावलाकिर्न ॥ ५२ ॥ लावाधि
समाधिसमायदो ॥ ५३ ॥ दावलाकिर्न ॥ ५३ ॥ लावाधि
सत्त्वोमहासत्त्वोवर्जकसनामसमाधिसमायदो ॥ ५४ ॥ दावलाकिर्न ॥ ५४ ॥ लावाधि
मसमाधिसमायदो ॥ ५५ ॥ दावलाकिर्न ॥ ५५ ॥ लावाधि

सादा ^स श्रीविशिर्गधन नामसमापद ॥ यदासम नरुडाधि सखीमहासखा ॥ सवतामविवता थरघाटयनि ॥ टदा
 वलीकीर्णवताधि सखीमहासखा ॥ सवतामविवता ध्या टयनि ॥ टदासम नरुडाधि सखीमहासखा ॥ श्रीलाकिर्ण
 वताधि सखीमहासखा ॥ मठदवाचउ ॥ ॥ साधु २ ॥ वलाकिर्णवताधि सखीमहासखा ॥ यथायदसंयुक्तिरुन
 रुन ॥ अथकक कुरु सुथागनसम नरुडाधि सखीमहा दवाचन ॥ अत्येत्वेपाकसंपूर्णवताकिर्णवतास्येधाधि स
 खास्ययुक्तिरुनदृष्ट ॥ यादसमवलाकिर्णवतास्येधाधि सखीमहासखास्ययुक्तिरुननादसंयुक्तमथगनात्रोत्रेसंमि

१००

१०१

द्युर्ग ॥ २८ संमयाक संपूर्णवक कुरु सुथागनसादनसम्यक् वृद्धसका साधु ॥ अथसवनीयल वीविकमीधाधि सखा
 मरुसखीरुगवकमठदवाचन ॥ दसयकुभरुगवाकार ॥ अथसवनीयल वीविकमीधाधि सखा
 युर्यमान ४ धर्मा मरुनांपूर्यमानाः सुरुफारुवम ४ रुगवाना दसा ॥ श्रीकलपुत्ररुमसादक्रिदीयावृषदि ४ सम्यक्
 दमलनिमसारिश्वा ॥ अकलिनी ॥ एटदिवमयाकलीना ॥ यथापाठनम्वरुनिलमनगच्छति ॥ यथानीलवसुपा
 लमगच्छति ॥ यथापाठनम्वरुनिलमनगच्छति ॥ सवपायलासिनीवदय ४ यवनीलवसुपाठनमधिगच्छति ॥ सवमला

मिलि वदु नया ॥ उवमवक लपुगयं काल छुक्क साम दायान सगुल लनार्क ॥ सवयाया नीदरु नी ॥ छुवि गाम्भ सत्ता रुवि यानि
 ॥ छुक्क लव कल न ॥ नद थपिनाम सुवनि वल व विष्क म्मे वसा काल समशने वन सा नया सवग नीला काला निराव
 क्ति अथ सन सुर्वो नाम ला जी रयि र गवा ना द वरि य सवा नीरु धा गु ला यी वन रा हो द रु नि ॥ उव कल पुगयं काल
 छुक्क साम दायान छुक्क ल स लार्क ॥ ४ सवयाय निद रु नि ॥ सुवि गाम्भ सत्ता रुवि यानि छुक्क लव कल पुगयं ॥ ये ० मं का
 काल छुक्क साम दायान सगुल लनार्क शि यानि ॥ न व न क ल पुगय थ म्ना ० निव क या ४ अ व व री का वा धि सत्ता रु नि

१०९

१०९

लो ५

वक द्या ४ न या व म ल न क र्त्त समय द्वा द स न थ ग ना उप र्त्त क न्या अला शय नि ॥ मारु वि क ल पुग ल या क ल स छुक्क साम द
 या न सगुल लनार्क ४ ॥ छुक्क ४ ल या पु न ल व र्त्त सा र्त्त स ल न व ४ न व पु न ल व अ मि ड ल म ल रु वि यानि ॥ न व ०
 यि य री स व आ ल वि य सा ना व ल नि ग मि य मि नी म या क ल सुखा व नि लो क धा रु म म ना स स्य स का सा द म्भ म नू था व मि
 उव क ल पुग न या स ल ना स र व म ल न रु वि यानि ॥ अथ सार्या व लो कि न ठ व वा धि स लो म द स लो रु ग व न ४ य द
 मिला सा व रि दि य उ क न य क न ४ अथ स व नी व ल व वि य मी वा धि स ल रु वि रा व न वा प रि न ४ य व व न ना म य रु ग व वा

रघुवानदे॥ ॥ यत्किंचिदप्यसंख्यदा द्वावेमिच्छति॥
 लोकयित्वा किञ्चन माशयितव्यं। शुद्धं चैव रुद्रकना
 शानपुत्रावच्छानसविद्मन्॥ यत्किञ्चिदप्यसंख्यदा द्वावेमिच्छति॥

१०२

रवान्मनसंगदिनापलीभीतयलगवान् ॥ अथवलाकिनेवलाकाधिपसत्यामदासलोकाभदवाचन॥ रतिव्या
 सिखरुनिनिदिहैमेमवगयवलाकाभदकिहापासागवरा ॥ कक्षरुविद्यानि॥ उममावलानामनथागनीदन्तस्य
 क्त्तूदाविद्याचतनममव ॥ सुगनालोकाविदन् ॥ रुत ४ ॥ पूर्यदम्यालधि ॥ सासादवानकमनूयाभचवूदोरु
 गवान् ॥ अथमाउमादविद्याकलेवमूनूयाफा ॥ ॥ रुगवा ॥ नरु ॥ ॥ यसासर्वनीवलनविष्कलीयादनाउमादवि
 न्रवलाकिनेवलाकाधिपसनेनमदासत्यनसावनन्रनलायासम्याकाध्या ॥ (६६३) ॥ अथकचैवूतपुनमदधननीयू

कक्षरुविद्यानि॥ उममागलानामनथागनीरुनस्य
पूल्यदम्यसालथि॥ सासादयानकमनूयाभाचवूक्षारु
नरु॥ ॥ यहासर्वनीवलनविष्कसीयादनाउमादवि

दामयाद्यान १०२ मि ॥ ८ ॥ अथ सुवनीवसनविष्कम्भीवाधिसुत्वारुगवर्तनमठवायगु ॥ अगनीरुगवन्नयसाकिर्गधना
 वाधिमलमदासुत्वायथाअन्नरुणनचक्रुषाचक्रुलव
 ॥ अद्याम्यसुत्तुलङ्गम ॥ अद्याम्यपूर्वमनीसर्था ॥ अद्यम ॥ अ
 कायं नीवालीयदसकसगनसमीन ॥ अथ सुवनीवसनः
 कदसयसावलाविनषलास्यगुनविस्था ॥ रगवानरु ॥ टदथापिसुवनीवसनविष्कम्भीवकुवाउमदामलाचक्रुजिय

याका ॥ नवमवायसाकिर्गधनावाधिसुत्वामदासुत्वाअनूयाका
 सामंयलीय ॥ अद्यामसविनीवाधिसागसुवनेसधम
 विष्कम्भीवाधिसुत्वापूनरुगवर्तनमठवायगु ॥ अद्याम्य
 १०३

वनलाजो ॥ मूरितिचवाः मदामूरितिलोचोवायवगलाउठकषगगधयवठलाउ ॥ सजातिनीमूरयवगलाउ ॥ मूर्देगंनै
 म्यपेवेगंलोजे ॥ सगरुदयवगलाउ ॥ उकद्वधयवग
 लाउ ॥ मद्रगनधयवगलाउ ॥ अकारुदहनधयवग
 लयुगयवगलाजा नापलानिवायससगानीवायससहगानी
 नामयिगधनामपिनीयमि ॥ सधमयाकलपूरगनयीउ ॥ नउकलपूरावसाकिर्गधनावाधिसुत्वामदासुत्वा ॥ ८

लाउ ॥ रुगवन्नधयवगलाउ ॥ मदामनीलेनधयवग
 लाउ ॥ उगवन्नधयवगलाउ ॥ कुलीलासधनसुधमयानय
 ॥ वायसकाटिनीयुगसठसहगानीवासव्यामयिगध

[illegible]

१०४



ॐ ॥ रुग्णानाह ॥ ॥ दृष्टिस्तनुरिच्छा नायसपाद
वा दृष्टिस्तनुरिच्छा नानावसनगमया ॥ या एतं रूपि
क्ष्मां दृष्टिस्तनुरिच्छा नानावसनगमया ॥ या एतं रूपि
क्ष्मां दृष्टिस्तनुरिच्छा नानावसनगमया ॥ या एतं रूपि

रमिलदनि॥नयन रं रिरु रावर्म विद्युन॥अथ यूपानान शारु गव क म न द वा र न॥कन म का सर ग व न द सा द रि
 निरारु विषा की॥ ॥र ग व न द॥ ॥ग न य ग म व स म न य त नि नि रु क ष्ट द सा द रि षी र्वा र वि षा नि य॥र वि द ल व ग द
 संक्षं धा ल यि नि॥न य ग द ल क द री का य ली द क र वि षा नि॥न व र्म वि क म र्क पि ० र्क य वि का य अ न स य नो स न न य प ली री
 ल न य ली रू नू नि॥र्य सां धि क उ य वा ल उ अ ल य म व क व नी॥शु षा धा क्रि य नि॥न य ग की क र्म र्क र पि या क य सा धि क उ य वा
 ल र्म ध्या न क्वा र य नि॥ठ द द स व षा ती सा ल ट या॥धु रि मू र्का ४ पा नि ना ज्ञा य न॥न व लान स्या म दान ग र्मा म दाल य मा व नु

१०५

१०५

ध म्भु रि क यो नि ना ज्ञा य न॥य सा धि क द न का य म ल्या नि री ग न य नि रू नू नि॥क कू र्म म क ल म र्क षू जा य न॥य र्मा धि क द न
 का य म ल्या नि री ग न य नि रू नू नी॥न कू र्म म क ल म र्क
 न्या या द स र ली री ग न य ली रू नू नी॥न य म न ग ल षू य
 नि रु क ष्टे ४ य र्वा ना उ द र र्म नि र्क ४ का र्थ ४ गु री रु द्वा ष मा म
 र्थ य ली मा रू न कू य नि॥न अ ल्या लू क कू र म अ य न दान न्द्रि या रू र वि षा नि॥कू र्म का सा वा म न का ष ज्ञा य न॥य र म

रू जा य न॥य सा धि क नि ल न लु र का ष द व कू ल रू द व ल
 प द न॥द व रू ना य नि रि स रू प नु द रु कि ० ४ र्क म ली म य
 र्थ ४ ० ४ र्म द ४ रू य रू न रू र व नी॥य सा धि क र्म ल्या य ना

^{३१}
 नयावनका का अजायन ॥ गन अलिवाधिना अजायन ॥ परमाभिर्गकायन वदन्ति ॥ नया कलाय सकृदिन्यवाह्य
 क ॥ दुदामास हमादिनपिधनी रुमायननी ॥ अरिनी १०४
 कायदेवमनुरवन्ति ॥ यसाधिकरमि मसंपलीरुगध
 नी ॥ गनकाया गुणमुखनविष्कुरु ॥ सुनकायाम
 ददन्तकर्ममपिदुदयमपि अरुणायपि सुवतसंवददन्त ॥ अरुवचगदुका ॥ गयारि स्वकर्मवायुवापि श्रुतनमका

४५५ ४५५ नलवकीवन्ति ॥ गनपुललपियुमयालके ४५५ ४५५ संगदन्त ॥ गनफिवाकर्मसुका नाक मवसागु ॥
 मरुनिजिक्कायाइरवन्ति ॥ गनरुक्काया उपलीरुतस
 वससगानी वदनी वरव सदुमानी नालकेयइवपुण
 नान ॥ गनरुयमपिलकपुलया गुदोत्तागुत्या
 नजिवनी ॥ गन ४५५ दिवाग्निमध्वरियन्ति ॥ गन ३ श्रीखदायी उगरियमदुया वेगल व्याक्रियति ॥ गदथीपिर्नका

शिकवठु निपलं गेवा नी ॥ नद्यान दमिश्च पदानी तक्षयि ७०७
 ॥ ॐ मानिग विवसा नी धारयि गय नी ॥ नुक विवस सिधम
 दार गम नन ॥ गृनि य विवसं शमन गत नी गमय ह्यय

न्यसी लुगनली कृवा नप सीर्य कर्या सुंघि कव ह्रजि
कव ह्रु सुला पर्म संकृत वषण्य नि कारी ॥ कंडू नड
खो रुगत रुम नद वा सद् ॥ अरु का रुग वना सि शव
तनी ॥ विनया इति मखा रुवनि ॥ का सा ली मू खा रुवलि
लि ॥ सि शय दा रुवटि ॥ अथा रव ला आयू खम ना नद्या रु

